राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 13, अंक 184 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 24 अप्रैल 2024 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

पत्नी के सामने महिला से किया रेप, ब्लैकमेल कर धर्म बदलने को भी किया मजबूर

बेंगलुरु। कर्नाटक में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला के साथ एक शख्स ने बेरहमी की सारी हदें पार कर दी है। दरअसल शख्स और उसकी पत्नी पर आरोप है कि उन्होंने एक 28 वर्षीय विवाहित महिला को उसकी स्पष्ट तस्वीरों का उपयोग करके ब्लैकमेल के माध्यम से इस्लाम धर्म कबूलने पर मजबूर किया। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार महिला की शिकायत के आधार पर 7 लोगों पर मामला दर्ज कर लिया गया है। महिला ने शिकायत में आरोप लगाया कि उस व्यक्ति ने उसकी पत्नी के सामने उसके साथ बलात्कार किया और उसे बुर्का पहनने और माथे पर 'कुमकुम' नहीं लगाने के लिए मजबूर किया।रफीक और उसकी पत्नी के रूप में पहचाने जाने वाले आरोपी ने महिला के साथ छेड़छाड़ की और उसके साथ यौन दुर्व्यवहार किया। इसके बाद उसने महिला की अश्लील तस्वीरें ले लीं जिनका इस्तेमाल वह उसे ब्लैकमेल करने के लिए करता था और मांग करता था कि वह हिंदू धर्म से इस्लाम में धर्म में आ जाए।

गाजीपुर लैंडफिल साइट पर अभी भी धधक रही आग, जहरीले धुएं लोगों की परेशानी बढ़ी

गाजियाबाद। दिल्ली में गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी आग जारी है। आसपास के स्थानीय लोगों को सांस लेने में अब दिक्कत होने लगी है। अधिकारियों के मुताबिक, आग पर काबू पाने के प्रयास लगातार जारी हैं। स्थानीय लोगों ने आग के कारण सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और गले में तकलीफ की शिकायत करनी शुरू कर दी है। दिल्ली में रविवार शाम से गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी भीषण आग के चलते आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों ने सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की। गाजीपुर लैंडफिल साइट के आसपास गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी, वैशाली, इंदिरापुरम इलाके पड़ते हैं। स्थानीय लोगों को इस आग से निकलने वाले जहरीले धुएं से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। गाजियाबाद के वैशाली इलाके में रहने वाले नवीन जोशी ने बताया कि हम 1990 के से ही इस समस्या का सामना कर रहे हैं।

अमेरिका में भारतीय छात्रों की मौत, सड़क हादसे में दोनों ने गंवाई जान; परिवार सदमे में

हैदराबाद। संयुक्त राज्य अमेरिका में पढ़ रहे तेलंगाना के दो छात्रों की एरिजोना में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उनके परिवारों को मिली सूचना के मुताबिक, निवेश मुक्का और गौतम कुमार पारसी की शनिवार रात (स्थानीय समय) पियोरिया में उस समय मौत हो गई, जब उनकी कार दूसरी कार से जा टकराई। दोनों की उम्र 19 वर्षीय थी। रिपोर्ट के अनुसार, निवेश करीमनगर जिले के हुजूराबाद शहर का रहने वाला था, वहीं गौतम कुमार जनगांव जिले के स्टेशन घनपुर का रहने वाला था।

जिस बेटे का रक्षा कवच देश की करोड़ों माता -बहनें हैं, उसका कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता- श्री नरेंद्र मोदी

राममंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का न्योता ठुकराना भगवान राम के ननिहाल और माता शबरी की धरती छत्तीसगढ़ का घोर अपमान है -पीएम मोदी

■ अभी बहुत काम करना बाकी है, इसलिए अपने मोदी के लिए एक घंटा निकालें और वोट करने जरूर जाएं-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

रायपुर/सक्ती। संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी विजय संकल्प शंखनाद रैली में हुँकार भरते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ में हमने , स्थानीय उत्पाद को विश्व बाजार मुहैया कराने 13 हजार करोड़ रुपए की विश्वकर्मा योजना और जन-मन योजना शुरू की है और कांग्रेस के नेता लाठी से मोदी का सिर फोड़ने की धमकी दे रहे हैं, वे कह रहे हैं कि मोदी मर जाए। लेकिन मोदी सिर ऊँचा करके चलता है। मोदी इनकी धमकियों से डरने वाला नहीं है। गरीबों को जिन्होंने लूटा उन्हें सजा मिलनी चाहिए। कोई घर में घुस आए और लूटपाट करने लगे तो परिवार का हर सदस्य भिड़ जाता है और मोदी के लिए तो मेरा भारत ही मेरा परिवार है। मोदी की रक्षा देश के करोड़ों लोग करेंगे। जिस बेटे का रक्षा कवच देश की करोड़ों माता-बहनें हैं, उसके लिए तो मौत को भी लंबा इंतजार करना पड़ेगा। श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने पूरे मोदी समाज को गाली दी, पिछड़े वर्ग को गाली दी और हमने पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए के लिए ओबीसी आयोग बनाया, पिछड़ों को स्थानीय भाषा में उच्च शिक्षा का अधिकार दिया और आज यहाँ के कांग्रेस नेता मोदी का सिर फोड़ने और उसके मरने की बात कह रहा है। दरअसल हमने जब घोटालेबाजों का रास्ता रोका, बिचैलियों की कमाई बंद की, तब से इनका पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने भ्रष्टाचार किया। यहाँ के लोगों के साथ धोखा किया, उनकी जाँच चल रही है। अपने देश को अपने परिवार को लूटपाट से बचाने में जुटा हूं। मोदी कहता है भ्रष्टाचार हटाओ और कांग्रेस कहती है भ्रष्टाचारी बचाओ। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस संविधान खत्म कर देने, आरक्षण खत्म कर देने का झूठ फैला रही है। कांग्रेस कितने दिन यह झूठ फैलाएगी ? इस देश का संविधान कोई नहीं बदल सकता। श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस के एक सांसद ने कर्नाटक में दक्षिण के राज्यों को मिलाकर अलग देश बनाने की बात कर रहे हैं, गोवा के कांग्रेस उम्मीदवार सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि गोवा में भारत का संविधान नहीं चलेगा, यह संविधान गोवा पर थोपा गया है। कभी जम्मू-कश्मीर में यही कहा जाता था कि भारत का संविधान नहीं चलेगा, पर आज उनकी बोलती बंद है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मंगलवार को जांजगीर-चाँपा और रायगढ़ लोकसभा क्षेत्रों से भाजपा उम्मीदवार क्रमशः श्रीमती कमलेश जांगड़े व राधेश्याम राठिया के समर्थन में आहूत महती चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए सवाल किया कि क्या यह भारत के संविधान का अपमान और उससे छेड़छाड़ नहीं है? गोवा के कांग्रेस उम्मीदवार ने राहुल गांधी से हुई चर्चा को सार्वजनिक किया है जिसका साफ मतलब है कि राहुल गांधी की इसमें मौन सहमति है। देश के एक बड़े हिस्से में नकारे जाने से कांग्रेस के लोग बौखला गए हैं और इसलिए देश के भीतर इस तरह के टापू बना रहे हैं। आज वे गोवा में भारत के संविधान को नकार रहे हैं, कल देश में डॉ. बाबासाहब अंबेडकर के संविधान को नकारने का पाप करेंगे। यह देश को तोड़ने की कांग्रेस की सोची-समझी चाल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देशवासियों की उम्मीद पूरी करते हुए अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने का काम भाजपा ने किया। कांग्रेस राम मंदिर के नाम पर तानाकशी करती रही, पर जब मंदिर में रामलला की प्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया तो सातवें आसमान से भी उँचे अपने अहंकार के चलते कांग्रेस ने यह न्योता ठुकरा दिया। यह भगवान राम के ननिहाल और माता शबरी की धरती छत्तीसगढ़ का घोर अपमान है। धर्म के नाम पर देश को बाँटने वाली कांग्रेस शुरू से तुष्टीकरण में लगी रही है। वोट बैंक का राजनीति कांग्रेस के डीएनए में है और इसके लिए

वह दलितों, वंचितों, आदिवासियों, पिछड़ों का हक मारने से भी पीछे नहीं हटती। भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र पर काम कर रही है। श्री मोदी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता गाँव, गरीब, किसान, महिला और नौजवान का कल्याण है। हमने नारे नहीं दिए बल्कि 10 वर्षों में काम किया। हमारी नीति और नीयत सही है। हम जो कहते हैं, उसे पूरा करने के लिए परिश्रम करते हैं, चुनौतियों को भी चुनौती देकर अपना कहा पूरा करते हैं। प्रदानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ में धान खरीदी बढ़ाई, धान की कीमतें बढ़ाई, धान की बढ़ी हुई कीमत दी और एकमुश्त अंतर की राशि का भुगतान किसानों को किया। दो साल का बकाया बोनस भी दिया। छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने कमाल कर दिखाया है। छत्तीसगढ़ में 45 हजार करोड़ रुपए किसानों को मिले हैं। नमो ड्रोन दीदी, महतारी वंदन योजना और लखपति दीदी योजना की चर्चा कर श्री मोदी ने कहा कि हम अब तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाएंगे। जांजगीर-चाँपा में 50 हजार परिवारों को प्रधानमंत्री आवास, दो लाख नल जल कनेक्शन और तीन लाख बहनों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिया गया है। मुफ्त राशन योजना अगले पाँच सालों तक चलती रहेगी। आयुष्मान योजना के तहत अब 70 साल आयु के सभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि 2014 से पहले 60 वर्षों तक एक ही परिवार सीधे या रिमोट से सरकार चलाता रहा। कांग्रेस ने कभी दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को सत्ता में भागीदारी नहीं करने दी। भाजपा ने एक दलित बेटे और एक आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाया तो कांग्रेस ने न केवल उसका विरोध किया बल्कि राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू को अपमानित तक किया। श्री मोदी ने कहा कि तीसरी बार हमारी सरकार के पास बहुत काम बाकी है इसलिए 7 मई को मोदी के लिए एक घंटे का समय निकालकर वोट करने जरूर जाएँ और राधेश्याम राठिया व बहन कमलेश जांगड़े को मेरी मदद के लिए जिताकर एक मजबूत सरकार के लिए अपना भरपूर समर्थन दें। श्री मोदी ने साफ कहा कि इंडी गठबंधन को वोट करने से उसकी सरकार नहीं बनेगी, इसलिए भाजपा व एनडीए को दिया गया आपका एक-एक वोट एक विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करेगा।

जिस कांग्रेस ने हमेशा संविधान से छेड़छाड़ की, 80 बार संशोधन किया, वह कांग्रेस आज संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त कर देने का झूठ फैला रही है : मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लगातार लगाव बना हुआ है। पिछले विधानसभा के चुनाव में मोदी की गारंटी पर छत्तीसगढ़ की जनता-जनार्दन ने विश्वास करते हुए छत्तीसगढ़ में भाजपा को जिताया और भाजपा की सरकार बनाई है। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी देश के 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार मानते हैं। लोकसभा का यह चुनाव महत्वपूर्ण है। श्री मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए हमें शत-प्रतिशत मतदान करना है। कांग्रेस हार रही है, इसलिए बौखलाकर झूठ बोलकर भ्रम फैला रही है। जिस कांग्रेस ने अपने पूरे कार्यकाल में संविधान से छेड़छाड़ की, 80 बार उसमें संशोधन किया, वह कांग्रेस आज संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त कर देने का झूठ फैला रही है। कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार पर हमला बोलते हुए श्री साय ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया था, अत्याचार-भ्रष्टाचार, अनाचार-दुराचार का आतंकराज चल रहा था। प्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए श्री साय ने कहा कि तीन महीनों की अल्पावधि में मोदी की गारंटी को पूरा करने में उनकी सरकार लगातार कार्य कर रही है।

देश को नीतिगत निष्क्रियता की नहीं

अर्थव्यवस्था पर ठोस कदम उठाने की जरूरत:सीतारमण

बेंगलुरू/ एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को पिछली संप्रग सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि देश को राजनीतिक स्थिरता, स्पष्ट दृष्टिकोण और अर्थव्यवस्था पर गहन कार्रवाई की जरूरत है. उन्होंने कहा कि ऐसा न होने पर देश के सामने पांच साल तक लालफीताशाही, भ्रष्टाचार और नीतिगत निष्क्रियता का जोखिम है. सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य रखा है. उन्होंने कहा कि विकास अपने आप या बिना प्रयास के नहीं होता है. भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा बेंगलुरू इकाई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा,2013-14 में हमें जो विरासत में मिला था और 2024 में हम आज जहां पहुंच हैं, उसके बीच एक बड़ा बदलाव हुआ है. विकास अपने आप नहीं होताज विकास के लिए प्रयास करना होता है. उन्होंने कहा कि जब 2004 में वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता से बाहर हुई थी, तब अर्थव्यवस्था ने 2003-2004 में आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की थी. उस समय औसत मुद्रास्फीति चार प्रतिशत से कम थी. सकल एनपीए (गैर निष्पादित परिसंपत्तियां) पांच साल पहले की तुलना में आधे हो गए थे. सीतारमण ने कहा कि वाजपेयी सरकार में पूंजीगत व्यय और बुनियादी ढांचे के व्यय पर ध्यान दिया गया. देश में सभी ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कें बनाई गईं।

ट्रक ने दो मोटर साइकिलों को मारी टक्कर, शादी समारोह से लौट रहे 4 लोगों की मौत

लखीसराय। बिहार के लखीसराय जिले के मेदनी चौक थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के एक ट्रक ने दो मोटर साइकिलों को टक्कर मार दी। इस घटना में मोटर साइकिल सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, दो बाइक पर सवार होकर पांच लोग पास से ही एक शादी समारोह में भाग लेकर लौट रहे थे। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग 80 पर हैबतगंज के पास अज्ञात वाहन ने दोनों बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई।

सीएम : योगी आदित्यनाथ की हुंकार

भारत अंबेडकर के बनाए संविधान से चलेगा देश..

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और कहा कि भारत भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा, किसी शरिया कानून से नहीं। उत्तर प्रदेश में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर परोक्ष हमला किया और कहा कि 1970 में, पार्टी ने 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया, और, ग़रीबी तो ख़त्म नहीं हुई लेकिन एक परिवार को देश के संसाधनों को लूटने की पूरी आज़ादी मिल गई। योगी ने आगे कहा, तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री रहते हुए कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है...तो हमारे दलित, पिछड़े, गरीब, किसान आदि कहां जाएंगे ? उन्होंने कहा कि आजादी के 70 साल बाद भी कांग्रेस और उसके सहयोगियों का शासन रहा, फिर भी 50 करोड़ लोगों के पास बैंक खाता नहीं था...अगर इतने सारे लोग इन बुनियादी जरूरतों से वंचित हैं तो इसके लिए कांग्रेस और उसके सहयोगी जिम्मेदार हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वे (कांग्रेस) गरीबी दूर नहीं कर पाए लेकिन अब उनकी नजर लोगों की मेहनत की कमाई, संपत्ति और आभूषणों पर है। वे महिलाओं की मेहनत की कमाई और उनकी मेहनत से बनाए गए आभूषणों को लूटने की कोशिश कर रहे हैं...

शराब घोटाला

केजरी की बढ़ी न्यायिक हिरासत,अगली सुनवाई सात मई को

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत सात मई तक के लिए बढ़ गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब घोटाला से संबंधित ईडी मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और बीआरएस नेता के कविता और चनप्रीत सिंह की न्यायिक हिरासत सात मई तक बढ़ा दी है। बीती 15 अप्रैल को अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। उन्हें 21 मार्च की रात को गिरफ्तार किया गया था। केजरीवाल को उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष वस्तुत: पेश किया गया। अदालत ने कहा कि वह हिरासत को 23 अप्रैल तक बढ़ा रही है जब सह-अभियुक्त (बीआरएस नेता के कविता) की न्यायिक हिरासत भी समाप्त हो रही है। 22 मार्च को ट्रायल कोर्ट ने उन्हें छह दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया, जिसे चार दिन के लिए बढ़ा दिया गया। उन्हें 1 अप्रैल को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। 10 अप्रैल को दिल्ली उच्च न्यायालय ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि ईडी पर्याप्त सामग्री, अनुमोदकों और आप के अपने उम्मीदवार के बयान पेश करने में सक्षम था, जिसमें कहा गया था कि केजरीवाल को गोवा चुनाव के लिए पैसे दिए गए थे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति स्वर्णकांत शर्मा की पीठ के उक्त आदेश को शीर्ष न्यायालय में चुनौती दी है। केजरीवाल ने ईडी द्वारा उन्हें जारी किए गए नौ समन को नजरअंदाज कर दिया था। इस मामले में आप नेता मनीष सिसौदिया और संजय सिंह भी आरोपी हैं। जबकि सिसौदिया अभी भी जेल में हैं, सिंह को हाल ही में ईडी द्वारा दी गई रियायत के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी थी। इससे पहले, ईडी ने केजरीवाल के खिलाफ शहर के राउज एवेन्यू कोर्ट में दो आपराधिक शिकायतें दर्ज की थीं, जिसमें उन पर समन का पालन न करने का आरोप लगाया गया था। केजरीवाल ने समन को गैरकानूनी बताते हुए नजरअंदाज कर दिया है। ईडी ने आरोप लगाया है कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली उत्पाद शुल्क घोटाले के किंगपिन हैं और 100 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध आय के उपयोग में सीधे तौर पर शामिल हैं। ईडी का मामला है कि कुछ निजी कंपनियों को थोक व्यापार में 12 प्रतिशत का लाभ देने की साजिश के तहत उत्पाद शुल्क नीति लागू की गई थी, हालांकि मंत्रियों के समूह (जीओएम) की बैठकों के मिनटों में ऐसी शर्त का उल्लेख नहीं किया गया था। केंद्रीय एजेंसी ने यह भी दावा किया है कि थोक विक्रेताओं को असाधारण लाभ मार्जिन देने के लिए विजय नायर और साउथ ग्रुप के साथ अन्य व्यक्तियों द्वारा एक साजिश रची गई थी।

केजरीवाल को अंतरिम जमातन की मांग करने वाले को फटकार

बीते सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने आबकारी नीति व अन्य मामलों में मुख्यमंत्री केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने की मांग करने वाले कानून के छात्र के प्रति कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने उनसे पूछा आपको यह वीटो शक्ति कहां से मिलती है? क्या आप संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं? यदि तुमने निर्णय ही कर लिया है तो यहां क्यों आये हो? केजरीवाल को आपकी सहायता या आपके निर्णय की आवश्यकता नहीं है। वहीं केजरीवाल ने भी याचिका पर आपत्ति जताते हुए इससे कानून का दुरुपयोग बताते हुए याचिकाकर्ता की सहायता लेने से इनकार कर दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने कहा कि कानून का स्थापित सिद्धांत यह है ।

संक्षिप्त समाचार

मानसिक स्वास्थ्य पर एक दिवसीय कार्यशाला की गई आयोजित

धमतरी (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के निर्देश पर स्वास्थ्य, शिक्षा विभाग और रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्थानीय स्वामी आत्मानंद हायर सेकंडरी स्कूल बठेना में आयोजित इस कार्यशाला में प्रशिक्षकों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य, भावनाओं की अभिव्यक्ति, तथा किशोरों में होने वाली मानसिक समस्याओं एवं उनके उपाय के बारे में विभिन्न खेल गतिविधियों के जरिए समझाया गया। इस अवसर सीईओ जिला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर श्री तेजपाल ध्रुव, सुश्री कल्पना ध्रुव, जिला शिक्षा अधिकारी श्री जांगड़े, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.के.मंडल, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रिया कंवर, एनसीडी कंसलटेंट श्रीकांत चंद्राकर, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम नोडल अधिकारी डॉ रचना पदमवार, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट प्रीति चांडक सहित योग प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

9वी 11वीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा भोथली विद्यालय में

धमतरी (समय दर्शन)। वार्षिक परीक्षा परिणाम कक्षा 9वीं व 11वीं का शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोथली में 23 अप्रैल को घोषणा की गई। जिसमें वेदिका व विवेक ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम लाकर विद्यालय को गौरवानवीत किया?। कक्षा 9वी का परीक्षा परिणाम 77.14 प्रतिशत रहा ।जिसमें प्रथम कुमारी वेदिका 93.83 प्रतिशत, द्वितीय कुमारी अंकिता 92.67 प्रतिशत, त्रितीय कुमारी डेमिन 86.83 प्रतिशत प्राप्त किया। इसी प्रकार 11वीं कला का परिणाम 70त्न रहा ।प्रथम होमेंद्र 75.80 प्रतिशत, द्वितीय मनीष कुमार 72.40 प्रतिशत, तृतीय रुद्र प्रताप 66.40 प्रतिशत रहा। 11वीं साइंस के परिणाम 91.3 प्रतिशत रहा ।प्रथम विवेक पटेल 93त्न, द्वितीय विकास पटेल 89.60 प्रतिशत, तृतीय लाकेश कुमार 87.80 प्रतिशत प्राप्त किया। 11वीं वाणिज्य का परिणाम 100त्न रहा ।प्रथम हूमन 60.80 प्रतिशत, द्वितीय तानिया 58.40 प्रतिशत, त्रितीय वीना 58.20 प्रतिशत प्राप्त किया। उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों को अंक सूची प्रदान किया गया। तथा इको क्लब प्रभारी शिक्षक राकेश कुमार साहू व्याख्याता द्वारा मनीष कुमार व विवेक कुमार को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया ।विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती एस .रामटेके ने सभी विद्यार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं दी ।व्याख्याता एल?. एन. साहू, गणेश प्रसाद साहू व्याख्याता ने कहा कि अपेक्षित परीक्षा परिणाम से विद्यार्थी निराश ना हो व पूरे शक्ति के साथ ,अनुशासन व समयबद्ध तरीके से पूरी लगन के साथ पढ़ाई करें । माता-पिता व गुरुजनों का सम्मान कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त करें। इस अवसर पर स्थानीय परीक्षा प्रभारी रामशरण मिश्रा, धनंजय सोनकर ,गोविंद सिंहा, एल .एन. शांडिल्य, डोमन ध्रुव, विनोद ध्रुव, गोपेश साहू, रेखा देहारी, दीप्ति शुक्ला, स्वाती सोरी, रेणुका ध्रुव, किशोरी कश्यप, विमला साहू, लखनतीन व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कोचिंग के साथ डमी स्कूल, शिक्षा का बंटाधार

बिलासपुर (समय दर्शन)। निजी स्कूलों की बढ़ती फीस, स्टेशनरी के बढ़े दाम, किसी एक ही काउंटर से ड्रेस और अन्य सामान खरीदने की पाबंदी यह सब शिक्षा माफिया के छोटे खेल हैं। सबसे बड़ा खेल जिसके संचालन में अंधों के समान पालक भी शामिल हैं। वह खेल है डमी एडमिशन का बिलासपुर में बड़ी संख्या में ऐसे निजी स्कूल संचालित हो रहे हैं जहां पर स्कूल प्रबंधन और कोचिंग संस्थान स्कूल आपस में मिलकर छात्रों को 11वीं , 12वीं दाखिला तो देते हैं, पर उन्हें छात्र जान ही नहीं पाते जो नियमित रूप से स्कूल आते हैं। कक्षा में ये आए बिना ही प्रैक्टिकल में अच्छे नंबर लेकर पास हो जाते हैं। आमतौर पर ऐसे डमी स्कूल परीक्षा के केंद्र भी नहीं होते इन छात्रों के पलकों से अन्य छात्रों के फीस से ज्यादा फीस ली जाती है। पालक को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में अपने पुत्र-पुत्रीयों की सफलता का इतना मोह है की नियमित स्कूल पढ़ाई की महत्वता का उन्हें ज्ञान ही नहीं। इस संदर्भ में जिला कलेक्टर बिलासपुर और जिला शिक्षा अधिकारी को लिखित शिकायत की गई है साथ में डमी स्कूल के नाम और सीबीएसई के एंक्लोजर की कॉपी भी दी गई है। स्कूली शिक्षा को बिलासपुर कलेक्टर अपनी प्राथमिकता में रखते हैं कि नहीं यह कुछ ही दिन में पता चल जाएगा। यदि डमी स्कूल के जांच की कोई जांच समिति बनती है तो कलेक्टर स्कूली शिक्षा कि सुचित्रा की चिंता करते हैं।

हनुमान जन्मोत्सव पर दर्शन के लिए मंदिरों में उमड़े श्रद्धालू

पंचमुखी बजरंग मंदिर व अन्य मंदिरों में की गई विशेष पूजा-अर्चना

दुर्ग (समय दर्शन)। हनुमान जन्मोत्सव शहर में मंगलवार को पूरे आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हनुमान जी के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। मंगलवार के दिन को हनुमान जी का दिन कहे जाने से मंदिरों में सुबह से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर में हनुमान चालीसा, सुंदरकांड के पाठ व हनुमान भजनों की धुन में नाच-गाकर श्रद्धालुओं ने जन्मोत्सव की खुशियां मनाई। हनुमान जन्मोत्सव पर कसारीडीह स्थित श्री पंचमुखी बजरंग मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में भीड़ जुटी। इस अवसर पर मंदिर में सुरधारा म्यूजिकल ग्रुप द्वारा भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। श्रद्धालु श्रीराम व हनुमान जी के भक्ति गीत-संगीत में रमे रहे। दोपहर में महाप्रसादी (भंडारा) का वितरण किया गया। प्रसाद ग्रहण करने श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रही। हनुमान जन्मोत्सव पर श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर समिति द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। पहले दिन सोमवार की शाम हनुमान जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा कसारीडीह के अलावा आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए अंत में वापस मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में हनुमान जी की झांकी और भगवा झंडे आकर्षण का केन्द्र रहे। पूरे शोभायात्रा के दौरान जय श्रीराम व हनुमान जी के जयकारे क्षेत्र में गुंजायमान रहे। हनुमान जन्मोत्सव पर मंगलवार को मंदिर समिति के सदस्य व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। इसके अलावा लंगूरवीर मंदिर शनिचरी बाजार, किल्ला मंदिर तमेरपारा, पंचमुखी हनुमान मंदिर ब्राम्हणपारा, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर नया बस स्टैण्ड, हनुमान मंदिर अग्रसेन चौक, मारूति मंदिर बनियापारा के अलावा अन्य हनुमान मंदिरों में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। मंदिरों में दर्शन के लिए जनप्रतिनिधि भी पहुंचे। यहां उन्होने हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर शहर समेत प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि व खुशियाली के लिए कामना की। मंदिरों में दर्शन के लिए दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही।

भूपेश बघेल को वोट मतलब लुटेरों को वोट- भरत वर्मा

सौम्या पर मौन रहकर भूपेश ने भ्रष्टाचार स्वीकारा

सौम्या-नवाज-अकबर-ढेबर सबके मुखिया भूपेश बघेल

राजनांदगाँव (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा ने आज शाम पार्टी के लोकसभा चुनाव कार्यालय महाजन बाड़ी में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पूर्व अधिकारी सौम्या चौरसिया की गिरफ़्तारी पर वे खामोश क्यों है? बार-बार सौम्या चौरसिया की जमानत रद्द हो रही हैं वह आपकी उपसचिव रही हैं ऐसे यह संभव ही नहीं हैं की इस भ्रष्टाचार में आप लिप्त नहीं हैं। श्री वर्मा ने कहा की भूपेश बघेल बताए छत्तीसगढ़ की गरीब जनता से हुई लूट में कितना प्रतिशत भूपेश बघेल का हैं, और कितना प्रतिशत सौम्या का भूपेश बघेल बताए? चाहे नवाज खान हो या सौम्या चौरसिया या फिर अनिल टूटेजा या फिर विनोद वर्मा या आपके विभाग के अधिकारी समीर विश्नोई ये सभी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में या तो जेल में हैं या तो बेल पर और इनसे आपका सीधा संबंध रहा है तो क्या आप इन सबके ऊपर लगे आरोपों में हिस्सेदार नहीं हैं। अगर हिस्सेदारी नहीं है, तो इन सबकी वकालत क्यों की लगातार आपके बयान आते रहें की आप इनके साथ में खड़े रहें। जब शुरुवाती दौर में सौम्या चौरसिया, समीर विश्नोई की गिरफ़्तारी हुई तब आपने चीख-चीख कर उनके निर्दोष होने के दावे किए लेकिन आज लगभग 16 से 18 महीने हो गए उन्हे कोर्ट ने जमानत नहीं दी हैं,अब मौन क्यो है? मुख्यमंत्री रहते अपनी ही जनता से लूट पर अपने कार्यवाही करने की जगह भ्रष्टाचारियों का साथ दिया क्या आप इस पर शर्मिंदा नहीं हैं? यह सवाल करते हुए वर्मा ने कहा ये सभी तथ्य बताते हैं की छत्तीसगढ़ के आदिवादियों, अनुसूचित जाति के साथियों पिछड़े वर्ग के लोगों के हक पर जो डाका डाला गया, उसमें भूपेश बघेल भी एक पार्टनर रहे, ऐसे में भूपेश बघेल को वोट देना यानि छत्तीसगढ़ को लूटने वाले नवाज खान, सौम्या चौरसिया, समीर विश्नोई को वोट देना।

आमदी के संकटमोचन हनुमान मंदिर में जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

दुर्ग (समय दर्शन)। श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर,आमदी सेक्टर 9 मे हनुमान जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई ।मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष डॉक्टर भूधर चंद्राकार सहित सदस्यगण व मातृशक्तियो द्वारा ब्रम्हमुहूर्त मै भक्तिभाव के साथ पूजा अर्चना की गई ।आरती के समय हजारों श्रद्धालुओं उपस्थित थे ।न्यास समिति के सदस्यों मै सतीश चंद्राकार प्रताप चंद्राकार क्षीतिश चंद्राकार विशाल चंद्राकार हीरामणि चंद्राकार नवनीत चंद्राकार उत्तम चंद्राकार व्वस्थापक नीतीश चंद्राकार सहित सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति उपस्थित थे । व्वथापक नीतीश चंद्राकार ने बताया कि श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा सन् 1866 में ग्राम आमदी के लंबरदार एवं मालगुजार स्व. रायसाहब दाऊ माधो प्रसाद चन्द्राकर उप नाम (ठगड़ा दाऊ) के द्वारा किया गया है। रायसाहब दाऊ टीवीमाधो प्रसाद चन्द्राकर द्वारा श्री राम जानकी मंदिर दुर्ग एवं रायसाहब दाऊ माधो प्रसाद चन्द्राकर जलाशय - प्रचलित नाम ठगड़ाबांध का निर्माण भी दाऊ माधो प्रसाद चन्द्राकर द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि स्व. रायसाहब दाऊ माधो प्रसाद चन्द्राकर सेन्ट्रल प्रॉविंसेस के जूरी के सदस्य एवं कृषि रत्न की उपाधि से सम्मानित किये गये थे। इस मंदिर की देखरेख की व्यवस्था दाऊ माधो प्रसाद चन्द्राकर के मृत्यु के उपरान्त तत्कालीन माल गुजार स्व. दाऊ लाला राम चन्द्राकर एवं स्व. दाऊ विष्णु प्रसाद चन्द्राकर द्वारा किया जाता था। वर्तमान में इस मंदिर की देखरेख इनके वंशजों के द्वारा किया जा रहा है। श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर की अच्छे से देखरेख हो सके इस हेतु रायसाहब दाऊ माधो प्रसाद चन्द्राकर के वंशज डॉ. जीवन लाल चन्द्राकर द्वारा 13 नवंबर 1971 को न्यास का विधिवत गठन किया गया। इस न्यास के प्रथम अध्यक्ष स्व. डॉ. जीवन लाल चन्द्राकर, द्वितीय अध्यक्ष स्व. डॉ. मंगल प्रसाद चन्द्राकर, वर्तमान अध्यक्ष डॉ. भूधर लाल चन्द्राकर एवं न्यास के व्यवस्थापक नितिश चन्द्राकर है स्व. रायसाहब दाऊ माधो प्रसाद चन्द्राकर न्यास के तरफ से पूजा के लिये स्व. नर्मदा प्रसाद तिवारी को पूजारी के रूप में नियुक्त किया गया था। वर्तमान में उनके परिवार के सदस्य श्री कमलाकांत तिवारी कार्य संभाले हुए है ।

नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में सम्मिलित होकर कड़ी चुनौती देंगी दन्तेवाड़ा जिले की 4 बेटियाँ

किरंदुल (समय दर्शन)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2024 का आयोजन देश की राजधानी नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में दिनांक 27 अप्रैल से 29 अप्रैल तक किया जाएगा, जिसमें अलग-अलग आयु वर्ग एवं वजन वर्ग में दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा जिले की लौह नगरी किरंदुल के केंद्रीय विद्यालय की 4 छात्रायें अनुष्का यादव, पाखी बघेल, कृति यादव, रुचिता पात्रे समेत छत्तीसगढ़ के अन्य खिलाड़ी सम्मिलित होकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

केंद्रीय विद्यालय किरंदुल के व्यायाम शिक्षक विनोद तबूना ने बताया कि यह प्रथम अवसर है जब इस सुदूर अंचल में स्थित केवी किरंदुल की बेटियाँ ताइक्वांडो की नेशनल कम्पीटिशन में हिस्सा ले रही हैं। इन खिलाड़ियों द्वारा निरंतर कठोर परिश्रम किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ ताइक्वांडो संघ के सदस्य तरुण गंगबेर ने छात्राओं की रुचि को देखते हुए उन्हें सतत प्रशिक्षण देकर उनकी प्रतिभा को निखारा तथा उनके प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन में अक्टूबर 2023 में रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सम्मिलित होकर अनुष्का यादव, कृति यादव, रुचिता पात्रा एवं पाखी बघेल द्वारा अपने-अपने वजन वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर तथा दिल्ली में आयोजित नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए चयनित होकर अपने विद्यालय, किरंदुल नगर तथा दंतेवाड़ा जिले को गौरवान्वित किया। अब ये खिलाड़ी छत्तीसगढ़ की टीम में सम्मिलित होकर राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग लेंगे। नेशनल स्पर्धा में सम्मिलित होने के लिए दिल्ली रवाना होने से पूर्व केंद्रीय विद्यालय किरंदुल के प्राचार्य बलजिंदर सिंह, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, अभिभावकों ने मार्शल आर्ट के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया है। खिलाड़ियों ने अपनी इस सफलता का श्रेय ताइक्वांडो प्रशिक्षक तरुण गंगबेर तथा अपने माता पिता को दिया है।

भूपेश ने हजारों करोड़ का कमीशन खाया- चंद्रशेखर शुक्ला

चुनिंदा उद्योगपतियो से इलेक्ट्रिक ड्यूटी, जल कर माफकर हजारों करोड़ वसूले

राजनांदगांव (समय दर्शन)। कांग्रेस के पूर्व प्रभारी महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला ने प्रेस वार्ता लेकर कहा कि उन्होंने पूर्व की भूपेश सरकार की नीतियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ के हित में भाजपा प्रवेश किया है। प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के कार्यकाल में एक बड़ा घोटाला हुआ है उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के दौरान कैसे छत्तीसगढ़ के गरीबों हक मारकर छत्तीसगढ़ के चुनिंदा उद्योगपतियों का इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी,जल कर जो दस साल से लंबित था जिसे रमन सिंह सरकार ने पकड़ा था और दंडित किया था उसका पुनरीक्षण कर जो की उनकी क्षेत्र अधिकार के बाहर था फर्जी उद्योग सचिव अनिल टूटेजा के माध्यम से हजारों करोड़ माफ किया गया। छत्तीसगढ़ की जनता का हक और विकास कार्यों में डकैती डाली इस राशि को माफकरने की एवज में भूपेश बघेल ने स्वयं हजारों-करोड़ों का कमीशन खाया। श्री शुक्ला ने पूछा की भूपेश बघेल इस विषय पर चुप्पी तोड़ेंगे क्या? भूपेश बघेल बताए आखिर उन्होंने चुनिंदा लोगों को फायदा पहुचाने छत्तीसगढ़ की गरीब जनता का हक क्यों मारा? इस घटना से यह पूर्णता स्पष्ट है की भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ के गरीबों के साथ ही नहीं बल्कि उद्योगपतियों के साथ हैं। श्री शुक्ला ने विस्तार से बताया की 03 जून 2019 को अनिल टूटेजा ने जो की संयुक्त सचिव के रूप में वाणिज्य एवं उद्योग का चार्ज लिया इनकी नियुक्ति फर्जी थी क्योंकि ये कैडर पोस्ट हैं इसकी नियुक्ति सामान्य प्रशासन विभाग से होती हैं और वो ज्वाइंट सेक्टरी इस पद हेतु अयोग्य हैं फिर भी चार साल तक उक्त पदों में रहें,मगर सामान्य प्रशासन विभाग की अनुमति दी तथा सैकड़ों फर्जी एनओयू किया तथा कानूनों में संशोधन करवाकर सिर्फ-सिर्फ उधयोगपतियों को लाभ पहुचाया। भूपेश बघेल ने भ्रष्टाचार का कोई मौका नहीं छोड़ा।जनता इन्हे सबक सिखायेगी।

एस एल आर एम में कचरा छटाई के नाम पर लीपापोती, मेसर्स रविंद्र भगत का भुगतान रोकने आयुक्त ने दिए निर्देश

रिसाली (समय दर्शन)। गीला और सूखा कचरा को अलग अलग कर उसे डिस्पोज करने के एवज में निगम से मोटी रकम लेने के मामले में कार्यवाही शुरू हो गई। रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने मेसर्स रविन्द्र भगत के भुगतान पर रोक लगाने के निर्देश दिए है। ठेकेदार मानव संसाधन में भी कटौती कर रखा है। शहर के विभिन्न वार्डो से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कर एस एल आर एम में कचरा छटाई करने का दावा करना खोखला साबित हुआ। निगम आयुक्त पिछले 15 दिनों से अलग अलग वार्ड में दौरा कर रही है। डोर टू डोर कचरा कलेक्शन से लेकर कचरा डंप करने वाले स्थान पर नजर रख रही थी। मंगलवार को उन्होंने फिर से वार्डो की भ्रमण की , और पाया कि अघोषित ट्रेंचिंग ग्राउंड में वही कचरा फेका जा रहा है जो एस एल आर एम सेंटर में एक किनारे छटाई के लिए रखा जाता है। ठेकेदार की इस हरकत को देख आयुक्त ने भुगतान रोकने आदेश दिए है।

15 कर्मचारी की जगह केवल 5 - लगातार निरीक्षण में आयुक्त ने पाया कि कचरा छटाई कार्य में हर रोज 15 से 20 कर्मचारियों की आवश्यकता है, लेकिन ठेकेदार महज 5 से 6 कर्मचारी से कार्य ले रहा है। पालीथीन जैसे अन्य वस्तु को भी अलग करने खानापूर्ति की जा रही है।

यहां कचरा छटाई केवल खाना पूर्ति- मेसर्स रविंद्र भगत निगम क्षेत्र के रूआबांधा, मरोदा, पुरैना और डुंडेरा में बने एस आल एल आर एम सेंटर को ठेके पर लिया है। जहां कचरा पृथक कर गीला से खाद और सूखा को अलग अलग कर विनिष्टि करण का कार्य करना है। यहां केवल खाना पूर्ति किया जा रहा है।

आयुक्त ने कहा डोर टू डोर में पहले निगरानी- ठेकेदार के भुगतान पर रोक लगाने के निर्देश देने के बाद आयुक्त ने दोपहर एक बजे कर्मचारियों की मीटिंग बुलवाई। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक कर्मचारी शहर को स्वच्छ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। डोर टू डोर कलेक्शन की निगरानी करे। ताकि छटाई कार्य बेहतर हो।

पूरी सरकारी मशीनरी को प्रभावित करेगा और यह निष्पक्ष चुनाव की परिस्थितियों को दूषित करेगा

राजभवन में रुकेंगे पीएम मोदी, शिकायत लेकर चुनाव आयोग पहुंची कांग्रेस

रायपुर। प्रधानमंत्री के राजभवन में रूकने पर कांग्रेस ने चुनाव आयोग में शिकायत की। शिकायत में कहा गया कि 23 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी का रायपुर आगमन हो रहा है और उनका रात्रि विश्राम राजभवन में प्रस्तावित है जो कि राज्य के संवैधानिक प्रमुख राज्यपाल का निवास स्थान है। राज्य के संवैधानिक प्रमुख के निवास पर प्रधानमंत्री मोदी का रात्रि विश्राम करना सीधे-सीधे पूरे राज्य के मतदाताओं को और पूरी सरकारी मशीनरी को प्रभावित करेगा और यह निष्पक्ष चुनाव की परिस्थितियों को दूषित करेगा।

कांग्रेस ने कहा कि निश्चित रूप से प्रधानमंत्री के विशेषाधिकार होते हैं और उनकी सुरक्षा की आवश्यकताएं भी होती हैं जिन्हें हम सब बखूबी समझते हैं और उन्हें हर हालत में पूरा किया जाना चाहिए। लेकिन प्रधानमंत्री के विशेषाधिकार प्रजातंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की मूलभूत बातों से ऊपर नहीं है। यदि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के नाम पर वे राज्य

के संवैधानिक प्रमुख के शासकीय निवास राजभवन में रूकते हैं तो इससे पूरे छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनावों की निष्पक्षता प्रभावित होगी। आखिर राज्यपाल ही तो निर्वाचन कार्य में लगी कार्यपालिका के प्रमुख हैं और इससे चुनावी कार्य में लगे सारे सरकारी अधिकारी, कर्मचारियों की निष्पक्षता प्रभावित होगी और चुनाव का वातावरण सत्ताधारी दल के पक्ष में प्रदूषित किया जायेगा। यह निश्चित रूप से निष्पक्ष चुनाव की परिस्थितियों को प्रभावित करने की भाजपा की चाल है जिसका हम विरोध करते हैं और मांग करते हैं कि निर्वाचन आयोग प्रधानमंत्री के रात्रि विश्राम के लिए उनकी गरिमा और उनकी सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप राजभवन की जगह किसी और उपयुक्त और विधि विधान के अनुरूप स्थान में आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए शासन को निर्देशित करे। यह निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक ही नहीं अनिवार्य भी है और निर्वाचन आयोग इस संबंध में तत्काल सर्वोच्च प्राथमिकता से निर्णय लेकर कार्यवाही करे यह निर्वाचन की निष्पक्षता के हित में होगा।

पूर्व में जब-जब राज्य सरकार के मुख्यि मुख्यमंत्री चुनावों के दौरान आचार संहिता लगी होने के बावजूद निर्वाचन आयोग की अनुमति से शासकीय विश्राम गृहों में रूकते रहें हैं तब-तब निर्वाचन आयोग के द्वारा नियुक्त निर्वाचन पर्यवेक्षकों ने वहां उपस्थित रहकर यह सुनिश्चित किया है कि वे किसी भी राजनैतिक या चुनाव कार्य से जुड़े शासकीय व्यक्ति से न मिले। प्रधानमंत्री मोदी के प्रवास के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा उनके विश्राम के लिए निर्धारित शासकीय परिसर में किसी भी राजनैतिक या चुनाव कार्य से जुड़े शासकीय व्यक्ति से प्रधानमंत्री मुलाकात न करे इसे भी निर्वाचन आयोग को सुनिश्चित करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के प्रवास और रात्रि विश्राम का दुरूपयोग निष्पक्ष निर्वाचन को प्रभावित करने के लिए न किया जाए यह सुनिश्चित करने का हम बेहद विनय पूर्वक लेकिन उतनी ही दृढ़ता के साथ निवेदन करते हैं। यदि प्रधानमंत्री मोदी के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता है और वे राज्य के संवैधानिक प्रमुख के निवास पर रूकते हैं तो इससे पूरे राज्य के चुनावों की निष्पक्षता प्रभावित होगी। यदि ऐसा होता है तो राज्य से भाजपा के एक भी लोकसभा सदस्य के निर्वाचित होने की स्थिति में मैं उसके निर्वाचन को चुनौती देने और न्यायहित में अदालत की शरण में जाने का अपना अधिकार सुरक्षित रखता हूं। ज्ञापन सौपने वाले में प्रदेश कांग्रेस वार रूम अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग अध्यक्ष देवा देवांगन, वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, वार रूम उपाध्यक्ष प्रवीण साहू, मीडिया कोऑर्डिनेटर परवेज अहमद, राम शंकर सोनकर उपस्थित थे।

मतदाता जागरूकता के लिए मरीन ड्राईव में स्वीप संध्या 26 को

मॉडल अधीर-जया भगवानानी के साथ सीनियर सिटीजन, कपल्स, युवा वोटर करेंगे रैम्प वॉक

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिले के मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने संचालित किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में 26 अप्रैल की शाम भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वीप संध्या का आयोजन किया जा रहा है। प्रख्यात मॉडल अधीर भगवानानी और जया भगवानानी का रैम्प वॉक इस अवसर पर होगा, यही नहीं अविवाहित, विवाहित, वरिष्ठ मतदाता, ट्रांसजेंडर्स, दिव्यांग मतदाताओं के साथ ही साथ तीन पीढ़ियों के सदस्य रैम्प वॉक कर सभी को मतदान का संदेश देंगे। स्वीप संध्या की शुरूआत मरीन ड्राईव तेलीबांधा में शाम 06:30 बजे होगी।

युवा वोटर्स, अविवाहित, नववधू, तीन पीढ़ियों का प्रतिनिधित्व करने वाले दादी, माँ, बेटी और दादा-दादी एवं पोता, 60 वर्ष से अधिक आयु वाले पुरूष व महिला मतदाता, ट्रांसजेंडर्स, दिव्यांग इस स्वीप संध्या में के रैम्प वॉक के प्रतिभागी होंगे। इसके लिए निर्धारित श्रेणियों के अंतर्गत 18 से 25 वर्ष के अविवाहित मतदाता, 01 वर्ष की नवविवाहिता मतदाता के साथ महिला पुरूष मतदाता वर्ग में पृथक-पृथक एक साथ तीन पीढ़ियां व ट्रांसजेंडर्स एवं दिव्यांग मतदाता रैम्प वॉक कर मतदान का संदेश देंगे। स्वीप संध्या में भाग ले रहें प्रतिभागियों को शाम 05 बजे तक अनिवार्य रूप से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के लिए कहा गया है। रायपुर जिला प्रशासन के इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन में कोई भी प्रतिभागी पंजीयन करा सकते है। इसके लिए जिला प्रशासन, नगर निगम, रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स जैसे- फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम में स्वीप संध्या संबंधी क्रिएटिव में प्रदर्शित क्यू-आर कोड स्कैन कर अपना निःशुल्क पंजीयन करा सकते है। विशेष प्रदर्शन कर मतदान जागरूकता का संदेश देने वाले प्रतिभागियों को जिला प्रशासन रायपुर द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। स्वीप संध्या से संबंधित अधिक जानकारी के लिए महिला बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी रितु परिहार दूरभाष क्रमांक 62667-94466 एवं अनुपमा तिवारी 98271-87140 से संपर्क कर सकते है।

5 हजार लीटर अवैध शराब जब्त, 2 हजार से ज्यादा गिरफ्तार...

रायपुर। नशे के खिलाफ पुलिस का निजात अभियान जारी है। जिसके तहत कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान रायपुर पुलिस ने फरवरी से अब तक 2,339 मामलों के साथ 5,437 लीटर अवैध शराब जप्त की है। वहीं 2,360 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें से 187 गैर जमानती मामले शामिल है। जिन लोगों को पुलिस ने पकड़ा है, वे सभी सार्वजनिक जगहों पर शराब सेवन का करते हैं।

हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़...

जगह-जगह शोभायात्रा और भंडारा, किया गया विशेष श्रृंगार

रायपुर। राजधानी में सुबह से ही हनुमान जन्म उत्सव के अवसर पर मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी। मंदिरों में आज महा आरती, भंडारा, सुंदर कांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ और राम चरित मानस पाठ किया गया। इसके साथ ही राजधानी में जगह-जगह पर शोभा यात्रा भी निकली गई। साथ ही हनुमान भक्तों की ओर से शहर के जगह-जगह में संध्या भंडारा का भी आयोजन किया जाएगा। दूधाधारी मठ के हनुमान मंदिर में हनुमान जी के दुग्धाभिषेक किया गया। साथ ही विशेष पूजा-अर्चना की गई। आज दिनभर मठ खुला रहेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में विधि-विधान से भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान हनुमान से छत्तीसगढ़ वासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। छत्तीसगढ़ वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सुशासन और राम राज्य की स्थापना के लिए हनुमान की

कृपा हम सबको मिलती रहे। पूजा में सीएम साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय सहित परिवारजन भी उपस्थित थे। लभांडी स्थित सालासर बालाजी मंदिर में हनुमान जी को सवामणी भोग चढ़ा गया। साथ ही दोपहर साढ़े तीन बजे सुंदर कांड का पाठ और शाम सात बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। रायपुर के गुढ़ियारी स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में तड़के साढ़े बजे मंदिर खुलने के बाद 101 किलो दूध से भगवान का अभिषेक किया गया है। साथ ही सुबह हनुमान की शोभायात्रा निकाली गई। राजेंद्र नगर स्थित श्मशान काली मंदिर में हनुमान जी की विशेष पूजा की गई। बूढ़ापारा स्थित महामृत्युंजय वीर हनुमान मंदिर में सुबह पांच बजे हनुमान जी की आरती की गई। साथ ही सुबह आठ बजे श्रृंगार आरती किया गया है और भोग चढ़ा गया है। यहां दिनभर भंडारा होगा। रेलवे स्टेशन स्थित हनुमान मंदिर में शाम को लेजर लाइट शो होगा। रायपुर के गुढ़ियारी, सुंदर नगर और लाखे नगर समेत इलाकों में शोभायात्रा निकाली जाएगी। साथ ही झांकियां आकर्षण का केंद्र होंगी। वहीं जगह-जगह पर भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

मुफ्त में फेस मसाज नहीं किया तो सेलून संचालक को मारा चाकू, गिरफ्तार...

रायपुर। रायपुर में एक बदमाश ने फ्री में फेस मसाज करने से मना करने वाले सेलून संचालक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। प्रार्थी सुरेश सेन ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि 10 बजे उनके सेलून में आरोपी जाफर खान आया और सेलून के सीट में जबरदस्ती बैठकर प्रार्थी को चेहरा साफ करने बोला। दुकान मलिक चेहरा साफ करने से मना करने पर बदमाश गाली-गलौज शुरू कर दी। इतना ही नहीं बदमाश ने चाकू से प्रार्थी के कान पास मारकर चोट पहुंचाई। इस दौरान इलाज के लिए उसे अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद प्रार्थी टिकरापारा थाना पहुंचकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

10 सालों में मोदी की गारंटी फेल साबित हुई, एक भी वादा पूरा नहीं किया : कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 10 सालों में मोदी की गारंटी फेल साबित हुई एक भी वादा पूरा नहीं किया। मोदी सरकार ने 10 सालो में एक भी वादा पूरा नहीं किया। भाजपा ने अपने 2014 के घोषणापत्र में 25 करोड़ नौकरियां निर्मित करने का वादा किया था। 2023 में, केंद्र सरकार ने माना कि 2014 के बाद से केवल 1.2 करोड़ नौकरियां निर्मित हुई हैं। यह मूल गारंटी का बीसवां हिस्सा भी नहीं है । वर्तमान में, 25 से कम आयु के दस में से चार स्नातक बेरोजगार हैं। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल बेरोजगारों में से 83 परसेंट बेरोजगार युवा है। सुशील आनंद

शुक्ला ने कहा कि मोदी ने कहा था किसानों की आय दोगुनी होगी। इस लक्ष्य को 2022 तक प्राप्त करने के लिए 2015 से किसानों की आय में साल-दर-साल 10 प्रतिशत की वृद्धि की आवश्यकता थी । वास्तविक वृद्धि 3.5 प्रतिशत ही रही है। इस गति से गारंटी 2035 में ही पूरी हो सकेगी। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, हर दिन 30 किसान आत्महत्या करते हैं। मोदी सरकार की नोटबंदी योजना नासूर साबित हुई। काले धन की वापसी, जालसाजी पर अंकुश, आतंकवाद पर लगाम, भ्रष्टाचार का अंत-सभी गारंटी फेल। बंद हुई 99 प्रतिशत करेंसी सिस्टम में लौट आई है। नोटबंदी आर्थिक-आतंकवाद से कम न थी। मोदी राज की प्रमुख योजना आयुष्मान भारत ने दम तोड़ दिया। कैग की रिपोर्ट से पता चला कि योजना के 7.5 लाख से अधिक लाभार्थी अमान्य थे। मध्य प्रदेश में, 'मृत' घोषित किए जा चुके 400 मरीजों को भी एक करोड़ से अधिक का भुगतान किया गया था। उज्जवला में भी मोदी सरकार ने महिलाओ को ठगा। सब्सिडी के बावजूद, 2022-23 में 1.2 करोड़ से अधिक परिवारों ने सिलेंडर नहीं खरीदा। अन्य 1.5 करोड़ लाभार्थियों ने केवल एक सिलेंडर लिया।

राज्यसभा सदस्य ने पीएम मोदी के मंगलसूत्र वाले बयान पर किया पलटवार

यह दुखद है कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं : रंजीत रंजन

रायपुर। कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रंजीत रंजन ने कहा कि बहुत दुखद है प्रधानमंत्री जो भारतीय जुमला पार्टी के है पूरे देश के प्रधानमंत्री है। पहले राजस्थान फिर अलीगढ़ में झूठ बोला अब छत्तीसगढ़ में रात रूकने वाले है। इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह भी रूक चुके है। सत्ताधारी लोग घबराये हुये है।

आज तक के इतिहास में किसी कोई प्रधानमंत्री के बारे में इतनी ओछी और घटिया टिप्पणी नहीं की थी। प्रधानमंत्री की गरिमा को उस तरह से देखा नहीं कि एक प्रधानमंत्री के पद में रहते हुये दूसरे प्रधानमंत्री जिनका पूरा वर्ल्ड लोहा मांगता था के बारे में स्तरहीन टिप्पणी करें। 2008 में पूरा वर्ल्ड में आर्थिक मंदी थी उस समय पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह थे, जिन्होंने ने अपने देश को बचाने का काम किया था। आज देश का प्रधानमंत्री झूठ बोल रहा है उनके बारे में इससे ओछी हरकत आज से पहले हमारे देश के किसी प्रधानमंत्री ने नही किया है।

प्रधानमंत्री की गरिमा की रक्षा करनी चाहिये और इस तरह के झूठे और इस तरह के ओछी बाते पूर्व प्रधानमंत्री के बारे में नहीं कहनी चाहिये।

रंजीत रंजन ने कहा कि जो उन्होंने मंगलसूत्र-मंगलसूत्र का बयान दिया वह उनकी सोच को बताता है वह महिलाओं को हेय दृष्टि से देखते है। एक महिला होने के नाते मैं इसकी निंदा करती हूं। देश की मजबूत महिलाये है जो 1962 से इंदिरा गांधी ने ज्वेलरी और गहने तक आर्मी वाले को दे दिये थे। आर्मी वाले के नाम पर समर्पित किये थे। प्रधानमंत्री का बयान बहुत ही छोटी और ओछी हरकत है। आप किसी का मंगलसूत्र के नाम से तुलना कर रहे है और मंगलसूत्र एक महिला का सुहाग होता है और महिला को हेय दृष्टि से देखने का अधिकार पूरे हिंदुस्तान में किसी को भी नहीं है न ही प्रधानमंत्री को है।

कांग्रेस पार्टी पांच गारंटी लेकर आयी है। युवा न्याय, महिला न्याय, किसान न्याय, मजदूर न्याय और हिस्सेदारी न्याय यह कांग्रेस की गारंटी है। भारत में तानाशाही चल रहा। गुजरात में चार-चार प्रस्तावक को यह कह दिया कि एक दिन पहले उनके साईन नहीं करके और निर्विरोध एक सांसद वहां चुन लिया गया। चुनाव के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ है। इस तरह के तानाशाही जो हो रहा है लोकतंत्र देख रहा है। आज कांग्रेस पार्टी का एक डेलिगेशन चुनाव आयोग के पास गया जिस तरह की टिप्पणियां प्रधानमंत्री कह रहे है आज चुनाव आयोग क्यों चुप है और क्यों उन पर कोई भी एक्शन नहीं लिया जा रहा है यह बहुत ही सोचनीय विषय है।

संक्षिप्त समाचार

एयरटेल ने पेश किया दुनिया घूमने वाले ग्राहकों के लिए किफ़ायती इंटरनेशनल रोमिंग पैक

रायपुर। भारत के प्रमुख टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स में से एक, भारती एयरटेल (एयरटेल) ने आज विदेश यात्रा करने वाले ग्राहकों के लिए किफ़ायती अंतरराष्ट्रीय रोमिंग पैक पेश किए हैं। नए पैक में 184 देशों तक पहुंच शामिल है और इनका टैरिफ रु 133 प्रतिदिन से शुरू होता है, जो इन्हें विदेशों में मिलने वाले लोकल सिम की तुलना में भी काफी किफ़ायती विकल्प प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, इन पैक्स के साथ बेहतर डेटा बेनिफिट्स, उड़ान के दौरान इन-फ्लाइट कनेक्टिविटी और 24×7 कॉन्टैक्ट सेंटर सपोर्ट उपलब्ध होता है। इन सुविधाओं को यथासंभव सुविधाजनक बनाने के लिए, एयरटेल ने यह भी सुनिश्चित किया है कि इन 184 देशों की यात्रा करने वाले ग्राहकों को अब विभिन्न देशों के लिए अलग-अलग पैक लेने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें केवल अपने यात्रा की अवधि चुननी होगी और एक ही पैक के माध्यम से वे दुनिया में कहीं भी बिना किसी रुकावट के कनेक्टिविटी का आनंद ले सकते हैं। अमित त्रिपाठी - डायरेक्टर - कस्टमर एक्सपीरियंस एंड मार्केटिंग, भारती एयरटेल ने बताया, एयरटेल में, हमारा मिशन ग्राहकों की समस्याओं को हल करना और अधिक सुविधा प्रदान करना है। हमें किफ़ायती और सरल इंटरनेशनल रोमिंग पैक लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है जो दुनिया में कहीं भी यात्रा करने वाले ग्राहकों को बिना किसी रुकावट के रोमिंग सुविधा प्रदान करेंगे। ये पैक बेहतर लाभों के साथ अधिक मूल्य प्रदान करते हैं और कई देशों में मिलने वाले लोकल सिम की तुलना में काफी किफ़ायती हैं। नया पैक क्रांतिकारी है और ग्राहकों को डेटा और वॉयस का असीमित उपयोग किफायती दामों पर प्रदान करके हमारे किफायती ऑफर को नए तरीके से पेश करता है।

SKF व्यावसायिक वाहन मैकेनिकों को इनोवेटिव कैंपेन के माध्यम से सशक्त बनाने की ओर अग्रसर

रायपुर: परिवहन समाधानों की एक अग्रणी प्रदाता, SKF इंडिया ने बड़े ही गर्व से एक व्यापक राष्ट्रव्यापी ट्रक एक्टिवेशन अभियान, इंस्टॉल कॉन्फिडेंस, इंस्टॉल SKF शुरू करने की घोषणा की है, जो विशेष रूप से व्यावसायिक वाहनों के मैकेनिकों के लिए तैयार किया गया है। यह ट्रक24-25अप्रैल को बिलासपुर के मैकेनिक कम्युनिटी को जागरूक करेगा। उसके बाद ट्रक 26 और 27 को भिलाई और रायपुर में आगमन करेगा। इस पहल का पहला उद्देश्य है व्युावसायिक वाहनों (CV) के लिए SKF की पेश की गई सुविधाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना, जो परिवहन क्षेत्र में स्थिरता को मज़बूत बनाते हुए मैकेनिकों के जीवन को सुव्यवस्थित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका दर्शाते हैं। SKF ऑटोमोटिव इंडिया और दक्षिण पूर्व एशिया के निदेशक अलगेसन थसारी का कहना है: SKF में, हम उन उद्योगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं जिनकी हम सेवा करते हैं, जिस समाज का हम हिस्सा हैं, और जिस ग्रह पर हम सभी निवास करते हैं। स्वस्थ ट्रक एक्टिवेशन अभियान निर्माताओं और मैकेनिकों के बीच की दूरी को मिटाने, सहयोग को बढ़ावा देने और परिवहन उद्योग को निरंतर सेवा देते हुए उनके भीतर सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है। इन पहलों के माध्यम से, हम न सिर्फ मैकेनिकों को सशक्त बनाना चाहते हैं, बल्कि एक-दूसरे पर निर्भर समाज की ओर अपनी सामूहिक यात्रा को भी आगे बढ़ाना चाहते हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन पेश करने की घोषणा की ङ्कलीड इन पावर ('शक्ति में नेतृत्व') के लिए एक सिग्नेचर स्टाइल

रायपुर। टोयोटा फॉर्च्यूनर किसी परिचय का मोहताज नहीं है और इस सबसे प्रशंसित एसयूवी की सफलता पर खुशी मनाने के लिए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज भारतीय बाजार में फॉर्च्यूनर का लीडर एडिशन पेश किया। अपनी जानी-मानी विशेषताओं के आधार पर, फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन कई ऐड-ऑन सुविधाओं के साथ विशिष्ट डिजाइन लाता है। टोयोटा फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन अपने भिन्न स्टाइल तत्वों और अपनी प्रभावशाली उपस्थिति के साथ अलग दिखता है। गतिशील फ्रंट और रियर बम्पर स्पॉइलर की विशेषता वाला यह वाहन साहस और परिष्कार की आभा प्रदर्शित करता है, जिससे नेतृत्व का वास्तविक सार दिखाई देता है। फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन की मुख्य विशेषताओं में से एक इसका प्रमुख डुअल-टोन एक्सटीरियर है, जो 'काले, सफेद और स्पष्टता' के पैलेट में उपलब्ध है। यह अनोखा संयोजन न केवल बाहरी आकर्षण को बढ़ाता है बल्कि इसकी प्रीमियम शिल्प कौशल को भी रेखांकित करता है। इंटीरियर में डुअल-टोन सीटें हैं जो बेजोड़ आराम और सुंदरता प्रदान करती हैं, जिससे ड्राइविंग अनुभव नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। आलीशान असबाब से लेकर एर्गोनोमिक डिज़ाइन तक, प्रत्येक विवरण को सावधानीपूर्वक तैयार करने के साथ, फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन हर यात्रा को अद्भुत अनुभव से भर देता है। इसकी परफेक्ट स्टाइलिंग के अलावा, फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन सुविधा, सुरक्षा और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई उन्नत सुविधाओं की एक श्रृंखला से युक्त है। वायरलेस चार्जर और टीपीएमएस (टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम) से लेकर ऑटो-फोल्डिंग मिरर तक, इस वाहन का उद्देश्य महत्वाकांक्षी ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करना है। इसके अलावा, फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन काले मिश्र धातु से बने पहियों के साथ आता है।

जो हर मोड़ पर एक बोल्ड स्टेटमेंट देते हैं। ये पहिये न केवल वाहन की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि सड़क पर एक सच्चे लीडर के रूप में इसकी स्थिति को भी मजबूत करते हैं। वाहन की बाहरी अपील को बढ़ाने के लिए टीटीआईपीएल द्वारा विकसित कुछ सहायक उपकरण अधिकृत डीलरों द्वारा स्थापित किए जाएंगे, जिनमें पीछे और सामने बम्पर स्पॉइलर भी शामिल हैं। फॉर्च्यूनर का लीडर एडिशन पेश किये जाने के मौके पर टिप्पणी करते हुए, श्री सबरी मनोहर - उपाध्यक्ष, बिक्री-सेवा-प्रयुक्त कार व्यवसाय, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा,ङ्कहम जो कुछ भी करते हैं उसके केंद्र में हमारे ग्राहक होते हैं। उन्नत सुविधाओं और ड्राइविंग अनुभवों के लिए उनकी बढ़ती प्राथमिकताएं और इच्छाएं उत्कृष्टता की हमारी निरंतर खोज को प्रेरित करती हैं। फॉर्च्यूनर लीडर संस्करण को शक्ति और विशिष्टता की एक अद्वितीय भावना प्रदान करते हुए, अधिक ऐड-ऑन सुविधाओं के साथ अपने बोल्ड स्टाइल स्टेटमेंट को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है।

संपादकीय

ईवीएम का औचित्य

आम चुनाव, 2024 के लिए मतदान की शुरुआत हो चुकी है। देश के 17 राज्यों और 7 संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोगला क्यों है? संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर लौटना क्यों चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है। ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल किया जा चुका है। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ 'भ्रष्ट' हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है।

पृथ्वी दिवस का बढ़ता महत्व

भारत में 2030 तक 500 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। इसे हम प्राप्त कर सकेंगे। किंतु बड़े ऊर्जा पार्क बनाकर स्थानीय संसाधनों पर कुछ जगहों पर ज्यादा दबाव पड़ जाता है, जिससे रोजी-रोटी के संसाधन छिन जाते हैं...

कुलभूषण उपमन्यु

1962 में राचेल कार्सन ने 'साइलेंट स्प्रिंग' नामक पुस्तक लिखी जिसमें पर्यावरण को कीटनाशकों द्वारा हो रहे नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया गया। कीटनाशकों की कुछ मात्रा अनाजों में आ जाती है और खाद्य श्रृंखला में दाखिल हो जाती है जिसका दुष्प्रभाव मानव जाति के अतिरिक्त अन्य पशु-पक्षियों पर भी पड़ जाता है जिसके कारण कई पक्षी प्रजातियां लुप्त हो रही थीं जिनके बिना वसंत का सौंदर्य ही समाप्त हो रहा है। पुस्तक इतनी प्रसिद्ध हुई कि बेस्ट सेलर बन गई। इससे अमरीका में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी। 1969 में जब दक्षिणी कैलिफोर्निया के तट पर खनिज तेल दुर्घटनावश गिर गया तो सेनेटर गेलोर्ड नेल्सन ने उस क्षेत्र का दौरा करके समुद्री जीवों की तबाही देखी, जो समुद्र के पानी पर तेल के फैलने के कारण हुई थी। नेल्सन ने इस मुद्दे पर जागरूकता फैलाने के लिए 'टीच इन' कार्यक्रम कॉलेजों में आयोजित किए। डेनिस हेस और अन्य आंदोलनकारियों के साथ मिल कर इस जागरूकता अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर फैलाने का निश्चय किया गया, जिसकी शुरुआत 22 अप्रैल 1970 को राष्ट्रव्यापी स्तर पर की गई और इस दिन को पृथ्वी दिवस का नाम दिया गया। यानी पृथ्वी के स्वास्थ्य की चिंता करने का दिन। इस कार्यक्रम को भारी जनसमर्थन मिला। इससे बने दबाव के चलते ही अमरीका में 'शुद्ध वायु कानून' और 'शुद्ध जल कानून' पारित हुए। इसे वर्तमान पर्यावरण आंदोलनों की शुरुआत भी माना जाता है। धीरे-धीरे पृथ्वी दिवस को वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा।

इस समय तक 192 देशों में पृथ्वी दिवस मनाया जाता है, ताकि पृथ्वी के पर्यावरण को हो रही हानियों के प्रति जागरूकता फैले और हमारे रहन-सहन, उत्पादन पद्धतियां और कायदे कानून पर्यावरण मित्र विकास की दिशा में मुड़ें। सन् 2000 से पृथ्वी दिवस को जलवायु परिवर्तन की दिशा में लक्षित किया गया है। जलवायु परिवर्तन वर्तमान में पर्यावरण की मुख्य समस्या बनती जा रही है। इसकी ओर ध्यान देना जरूरी हो गया है। इस वर्ष पृथ्वी दिवस का विषय वस्तु 'पृथ्वी ग्रह बनाम प्लास्टिक' रखा गया है। प्लास्टिक मिट्टी, पानी और वायु का प्रदूषक बनता जा रहा है। जमीन पर पड़े हुए प्लास्टिक से धूप के कारण अपर्दन से टूट कर सूक्ष्म कण मिट्टी में मिल जाते हैं और मिट्टी के उपजाऊपन को नष्ट करने का काम करते हैं। पानी में मिल कर मछलियों के शरीर में पहुंच कर खाद्य श्रृंखला का भाग बन कर मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बन जाते हैं। जलाए जाने पर वायु में अनेक विषैली गैसें वायुमंडल में छोड़ते हैं जिससे वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं। प्लास्टिक दैनिक जीवन का ऐसा भाग बन गया है कि इससे बचना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। प्लास्टिक का प्रयोग कम करना, पुनर्चक्रीकरण, और जो बच जाए उसको उत्तम धुआं रहित प्रज्वलन तकनीक से ताप विद्युत बनाने में प्रयोग किया जा सकता है। हालांकि इससे भी थोड़ा गैस उत्सर्जन तो होता है, किन्तु जिस तरह शहरी कचरा डंपिंग स्थलों में लगातार लगने वाली आग और गांव में खुले में जलाया जा रहा प्लास्टिक धुआं फैलता जा रहा है, उससे तो यह हजार गुणा बेहतर है। स्वीडन ने तो यूरोप के अनेक देशों से सूखा कचरा आयात करके उससे बिजली बनाने का व्यवसाय ही बना लिया है।

उसके पास जो तकनीक है उसमें केवल दशमलव दो (.2) प्रतिशत ही गैस उत्सर्जन होता है। प्लास्टिक के विकल्प के रूप में पैकिंग सामग्री तैयार करना नवाचार की दूसरी चुनौती है। गांव में भी अब तो प्लास्टिक कचरे के अंबार लगते जा रहे हैं। आधुनिक दैनिक प्रयोग की तमाम वस्तुएं प्लास्टिक में ही पैक होकर आ रही हैं। प्लास्टिक के पुन:चक्रीकरण के लिए यह जरूरी है कि प्लास्टिक और अन्य सूखा कचरा अलग अलग इकट्ठा किया जाए और कबाड़ी को दिया जाए। जो बच जाए उसे निबटाने के दूसरे सुरक्षित तकनीकी उपायों की सरकारें व्यवस्था करें। एक विचार यह भी जोर पकड़ रहा है कि जो पैदा करे, वही कचरे के प्रबंधन का जिम्मेदार ठहराया जाए, ताकि ये पैकिंग करके सामान बेचने वाली कंपनियां पैकिंग सामग्री एकत्रित करवा कर वापस लें और रीसाइक्लिंग की व्यवस्था करें। किन्तु केवल प्लास्टिक ही जलवायु परिवर्तन का कारक नहीं है। रासायनिक कृषि के कारण भी भूमि की जैविक पदार्थ धारण करने की क्षमता समाप्त हो जाती है, जिससे कार्बन पदार्थ का भूमि में संचय नहीं होता। दूसरा भूमि की उपजाऊ शक्ति भी कम हो जाती है। जैविक कृषि को प्रोत्साहित करके और वैज्ञानिक आधार पर विकसित करके इस समस्या से निपटा जा सकता है। भारत में इस दिशा में कुछ काम होना शुरू भी हुआ है, किन्तु इसे अभी तक मुख्य धारा बनाने में सफलता नहीं मिली है, जिसके लिए अधिक वैज्ञानिक शोध की जरूरत है ताकि रासायनिक विधि के बराबर ही उत्पादन करके दिखाया जाए और अन्न सुरक्षा की चुनौती पर कोई खतरा आने की चिंता न रहे। जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र की है। हमारे देश में कुल विद्युत उत्पादन 428 गीगावाट है, जिसमें से 71 फीसदी कोयले और जीवाश्म ईंधन से हो रहा है। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन 168.96 गीगावाट है, जिसमें से 42 गीगावाट जल विद्युत का उत्पादन है। किन्तु जल विद्युत भी जब बड़े बांधों के माध्यम से बनाई जाती है तो जलाशयों में बाढ़ से संचित जैव पदार्थ आक्सीजन रहित सडन् द्वारा मीथेन गैस का उत्सर्जन करते हैं। मीथेन कार्बन डाईआक्साइड से छह गुणा ज्यादा वैश्विक तापमान वृद्धि का कारक है। इसलिए एक सीमा से ज्यादा जल विद्युत का प्रसार भी ठीक नहीं। सौर ऊर्जा एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही है। भारतवर्ष में पिछले कुछ सालों में सौर ऊर्जा उत्पादन में अच्छा काम हुआ है। भारतवर्ष में 2030 तक 500 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। आशा है इसे हम प्राप्त कर सकेंगे। किन्तु बड़े ऊर्जा पार्क बना कर स्थानीय संसाधनों पर कुछ जगहों पर ज्यादा दबाव पड़ जाता है, जिससे कई समुदायों की रोजी-रोटी के संसाधन छिन जाते हैं। इसके विरुद्ध कई आवाजें उठती रहती हैं और संघर्ष खड़े हो जाते हैं। इन जायज संघर्षों का अक्सर शासन और प्रशासन स्थानीय समुदायों की कठिनाई को समझकर समाधान नहीं करते।

भाषाओं की विलुप्ति से होती है सांस्कृतिक क्षति

सुनील कुमार महला

भाषाओं की विलुप्ति, भाषाओं का खत्म होना या यूं कहें कि किसी भाषा विशेष की हानि हमेशा न केवल किसी देश की विरासत के लिए बल्कि पूरे मानव इतिहास के लिए एक बहुत बड़ी सांस्कृतिक क्षति या नुकसान होती है। भारत में लंबे समय तक(लगभग 200 सालों तक) औपनिवेशिक शासन रहा है। यही कारण है कि यहां के कानून, यहाँ के पाठ्यक्रम, यहां के शासन-प्रशासन पर अंग्रेजी के प्रभाव से भारतीय भाषाओं की स्वीकृति अपेक्षाकृत कम हुई। आज वैश्वीकरण के कारण विश्व के कई देशों से व्यापार तथा अन्य गतिविधियों के फलस्वरूप भारतीय लगातार नई भाषाएं (जर्मन ,फ्रेंच)सीख रहे हैं जिससे स्थानीय भाषाओं के प्रति उनका रुझान कम हो रहा है।

हाल ही में एक शोध में यह बात सामने आई है कि दुनिया में आज आधी भाषाएं खतरे में हैं। कारण है कि आज हमारे बच्चे, हमारी युवा पीढ़ी अपनी मूल भाषा को नहीं सीखती। आधुनिकता के, पाश्चात्य संस्कृति के रंग में रंगकर हम अपने आपको अपनी संस्कृति, सभ्यता, भाषा से लगातार दूर करते चले जा रहे हैं। भाषाएं हमारी अभिव्यक्ति का बड़ा ही सशक्त माध्यम होतीं हैं और ये शब्द मात्र तक सीमित नहीं होती हैं। कोई व्यक्ति यदि भाषा के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति देता है तो वह अपनी पहचान, अपनी संस्कृति, अपने परिवेश, अपने ज्ञान, अपनी आत्मा,अपने इतिहास, अपनी परंपराओं के बारे में हमें रूबरू करवाता है। आज के युग में भाषाओं की विलुप्ति का कारण कहीं न कहीं ग्लोब्लाइजेशन भी है । ग्लोब्लाइजेशन यानी वैश्वीकरण के इस दौर में पूरी दुनिया में प्रत्येक व्यक्ति बेहतर से बेहतरीन होने तथा बेहतर से बेहतरीन पाने की कोशिश में लगा हुआ है और शायद यही कारण भी है कि वह बहुत सी अहम चीजों को भी आज लगातार विस्मृत करता चला जा रहा है। भाषा भी उन अहम चीज़ों में से एक है।आज विश्व की अनेक भाषाओं का तेजी से नष्ट होना बेहद चिंताजनक है। यदि यही स्थितियां बनी रहीं तो कोस-कोस पर बदले पानी, चार कोस पर वाणी की कहावत मात्र हमारी किताबों तक सिमट कर रह जायेगी।विशेषज्ञों का मानना ?है कि जब कोई भाषा मर जाती है, तो आसपास की ज्ञान प्रणाली भी मर जाती है और विलुप्त हो जाती है। वैसे,भाषाओं को बाहरी ताकतों जैसे सैन्य, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक तथा शैक्षिक अधीनता, या आंतरिक ताकतों जैसे किसी समुदाय की अपनी भाषा के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण से भी कहीं न कहीं खतरा होता है। आज के समय में, अंग्रेजी और अन्य प्रमुख भाषाएं ज्ञान और रोजगार की भाषा के साथ-साथ इंटरनेट की प्राथमिक भाषा भी बन गई हैं। डिजिटल क्षेत्र की प्रमुख सामग्री अब अधिकतर अंग्रेजी भाषा में ही उपलब्ध है, और इसलिए, अन्य भाषाओं को हाशिए पर डाल दिया गया है।कोई भी भाषा हमारी दैनिक सत्यता, दैनिक चर्याओं को सारगर्भित अर्थ देती है। आज जनजातीय भाषाओं का संवर्द्धन व संरक्षण बहुत जरूरी है। भाषाओं का अस्तित्व व प्रसार तभी संभव है जब हम जनजातीय भाषाओं, हमारे आसपास की विभिन्न भाषाओं, देशज भाषाओं का संवर्धन, संरक्षण करेंगे। भाषाओं का संवर्द्धन, संरक्षण वास्तव में तभी संभव हो सकता है जब हम अधिक से अधिक अपनी भाषा में बातचीत करेंगे। अधिकाधिक साहित्य लिखेंगे। वास्तव में, भाषाओं को जिंदा रखने के लिए हमें एक दूसरे समुदाय की भाषाओं के शब्दों को लेकिन आपस में विचार- विमर्श करना चाहिए। शब्दों को, साहित्य को, शब्दों के अर्थ आदि को जानने समझने का प्रयास करना चाहिए। इससे शब्दकोश तैयार हो सकते हैं, हमारे शब्द भंडार मजबूत हो सकते हैं। आज बोलियों की लिपि तैयार करने की दिशा में भी प्रयास किए जाने चाहिए, बोली की लिपि होगी तभी वह भाषा बनेगी। जब किसी बोली की लिपि तैयार हो जाती है तो वह भाषा बन जाती है। वैसे, बोली का साहित्य नहीं है तो वह भाषा नहीं हो सकती, ऐसी बात भी नहीं है। कहीं न कहीं वह भी एक भाषा ही है। सबसे बड़ी बात यह है कि हम आपसी संप्रेषण,बातचीत को हर हाल में कायम रखें। बहरहाल, यहाँ जानकारी देना चाहूंगा कि आज दुनिया की 2,400 भाषाओं पर एक शोध से इस बात का खुलासा हुआ है कि आधी भाषाएं आज गंभीर खतरे में हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि दुनियाभर में इस समय 7,000 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। कुछ भाषाओं को बोलने वालों की तादाद लाखों- करोड़ों में हैं, जबकि कुछ भाषाएं आज सैकड़ों लोग ही बोलते हैं। भाषा अगर प्रचलन में नहीं होती है तो वह धीरे धीरे विलुप्त होने की कगार पर पहुंच जाती है और एक दिन ऐसा आता है कि वह समाप्त ही हो जाती है। शोधकर्ता बताते हैं कि भाषा विलुप्त होने से मानवों का अपने पूर्वजों व पारंपरिक ज्ञान से संबंध टूट जाता है। भाषाविद् भाषाई विविधता के आधार पर ही लोगों का इतिहास, विकास क्रम बताते हैं। भाषाएं खत्म होने का सबसे बड़ा कारण यह है कि बच्चों को इसे नहीं सिखाया जा रहा है। वास्तव में कोई भी भाषा यदि खत्म होती है तो भाषा के साथ ही वहाँ की संस्कृति व ज्ञान का भी लोप हो जाता है, जिसकी भरपाई कभी भी नहीं की जा सकती है। किसी भी भाषा का लुप्त होना या खत्म होना अपने आप में एक बड़ी भयंकर त्रासदी इसलिए है क्यों कि भाषा के साथ ही उस स्थान विशेष की संस्कृति, ज्ञान का भी नामोनिशान मिट जाता है। भाषा से ही किसी स्थान की संस्कृति जिंदा रहती है। उपनिवेशवाद और वैश्वीकरण (ग्लोबलाइजेशन) के कारण दुनिया की कई स्वदेशी भाषाओं को संकट का सामना करना पड़ रहा है। भाषाएं विलुप्त होने से स्वदेशी समुदायों के बारे में जानने का रास्ता भी बंद हो जाता है। यहाँ जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2022 से 2032 को संयुक्त राष्ट्र ने स्वदेशी भाषाओं का दशक घोषित किया है। वास्तव में, प्रत्येक भाषा का अपना इतिहास, परंपरा और सोचने का तरीका होता है। किसी भाषा का प्रयोग जनसंख्या के किसी भू-भाग द्वारा न करने पर वह लुप्त हो जाती है और आज भाषाओं का लगातार लुप्त होना एक बड़ी चिंता का विषय है। चिंता का विषय इसलिए क्यों कि भाषा मरती है तो उस भाषा का संपूर्ण गौरव, उस भाषा विशेष में संरक्षित संपूर्ण पारंपरिक ज्ञान, संस्कृति सब कुछ नष्ट या दफन हो जाता है। जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2010-20 के बीच ग्रेट अंडमानी परिवार की तीन भाषाएं- खोरा, बो और सारे दम तोड़ चुकी हैं। जेरू भाषा भी आज विलुप्ति की कगार पर है। ग्रेट अंडमानी भाषाओं की तरह ही भारत और दुनिया की हजारों भाषाओं पर विलुप्ति की तलवार लटक रही है। अगर हम युनेस्को द्वारा जारी एटलस ऑफ वर्ल्ड लैंग्वेज इन डैंजर को देखें तो पाएंगे कि 1950 से अब तक दुनियाभर में 230 भाषाएं विलुप्त हो गई हैं। यूनेस्को ने 2001 में पहली बार जब एटलस जारी किया था, तब 900 भाषाओं पर विलुप्ति का खतरा पाया था, लेकिन 2017 में अद्यतन किया गया एटलस बताता है कि ऐसी भाषाओं की संख्या 2,464 तक पहुंच गई। सबसे डरावनी बात यह है कि इनमें भारतीय भाषाओं की संख्या सबसे अधिक है। गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार 42 भाषाएं व बोलियां विलुप्ति के कगार पर हैं।भारत में 22 अधिसूचित तथा 100 गैर-अधिसूचित भाषाएं हैं जिन्हें एक लाख या इससे अधिक लोग बोलते हैं। यह बहुत ही गंभीर व संवेदनशील है कि आज इन बयालीस भाषाओं व बोलियों को बोलने वाले, प्रयोग में लाने वाले कुछेक लोग ही बचे हैं। जानकारी मिलती है कि संकटग्रस्त भाषाओं में 11 अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की हैं। इनके क्रमश: ग्रेट अंडमानीज, जरावा, लामोंगजी, लुरो, मियोत, ओंगे, पु, सनेन्यो, सेंतिलीज, शोम्पेन और तकाहनयिलांग शामिल हैं। मणिपुर की सात संकटग्रस्त भाषाएं एमोल, अक्का, कोइरेन, लामगैंग, लैंगरोंग, पुरुम और तराओ इस सूची में शामिल की गई हैं। हिमाचल प्रदेश की चार भाषाएं- बघाती, हंदुरी, पंगवाली और सिरमौदी भी खतरे में हैं।ओडिशा की मंडा, परजी और पेंगो भाषाएं संकटग्रस्त भाषाओं की सूची में शामिल किया गया हैं।कर्नाटक की कोरागा और कुरुबा जबकि आंध्र प्रदेश की गडाबा और नैकी विलुप्त होने के कगार पर हैं। तमिलनाडु की कोटा और टोडा भाषाएं विलुप्तप्राय हो चुकी हैं। असम की नोरा और ताई रोंग भी खतरे में हैं। उत्तराखंड की बंगानी, झारखंड की बिरहोर, महाराष्ट्र की निहाली, मेघालय की रुगा और पश्चिम बंगाल की टोटो भी विलुप्त होने की कगार पर पहुंच रही हैं। यूनेस्को की सूची में अहोम, आंद्रो, रांगकास, सेंगमई और तोल्चा भारतीय भाषाएं ऐसी हैं जो मर चुकी हैं। यूनेस्को ने भारत की 197 भाषाएं चिन्हित की हैं जो विलुप्तप्राय हैं। दूसरे स्थान पर अमेरिका है जहां 191 भाषाएं खतरे में हैं। तीसरे स्थान पर मौजूद ब्राजील में कुल 190 भाषाओं का वजूद संकट में है। ये आंकड़े साफ तौर पर इशारा करते हैं कि हाल के वर्षों में यह खतरा तेजी से बढ़ रहा है। कुछ अध्ययन अंदेशा जाहिर करते हैं कि अगर यही दर जारी रहती है तो भारत समेत दुनियाभर की 50 से 90 प्रतिशत भाषाएं इस शताब्दी के अंत तक विलुप्त हो जाएंगी। यूनेस्को भी मानता है कि सदी के अंत तक 50 प्रतिशत भाषाएं विलुप्त हो सकती हैं। कुछ भाषा विज्ञानी यहां तक कहते हैं कि साढ़े तीन महीने में एक भाषा दम तोड़ रही है। घुमंतू समुदाय और तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की भाषा सबसे अधिक खतरे में हैं।एथनोलॉग भाषाओं पर नजर रखने वाला एक संगठन है। इस संगठन के अनुसार, इस समय दुनियाभर बोली जाने वाली 7,139 भाषाओं में 42 प्रतिशत (3,018) भाषाएं संकटग्रस्त हैं। यानी ये भाषाएं विलुप्ति के विभिन्न चरणों में हैं। आज दुनियाभर में भाषाओं का बड़ा ही असमान वितरण है। एथनोलॉग के अनुसार, दुनिया की आधी आबादी महज 24 भाषाएं बोलती है। इनमें मुख्य रूप से चीनी मंदारिन, स्पेनिश, अंग्रेजी, हिंदी, पुर्तगाली, बंगाली, रूसी, जापानी, जावानी और जर्मनी शामिल हैं। इन भाषाओं को बोलने वालों की संख्या करोड़ों में हैं, वहीं दूसरी तरफविश्व की आधी आबादी 7,000 भाषाएं बोलती है। एथनोलॉग के अनुसार दुनिया की आधी भाषाओं को 10 हजार से कम बोलने वाले लोग बचे हैं। दरअसल, कोई भी भाषा तब मरती है जब उसे बोलने वाली आबादी मर जाती है या किसी दूसरी भाषा को अपना लेती है। नतीजतन, उस आबादी की अगली पीढ़ियां अपनी मातृभाषा को भूल जाती है। सामाजिक और आार्थिक कारण भी इसकी एक बड़ी वजह है। व्यापार और पलायन, प्रभाव शाली वर्ग द्वारा किसी एक भाषा को तवज्जो देने से भी छोटी और स्थानीय भाषाएं उपेक्षित रह जाती हैं। व्यापार और मीडिया के वैश्विक होने, यातायात और संचार में तकनीकी सुधार से भी एक भाषा से दूसरी भाषा में स्थानांतरित होने का दबाव बढ़ा है। वैसे, लिपि का न होना भी भाषा के खत्म होने के बड़े कारक के तौर देखा जाता है। भाषा का उपयोग न करना भी एक बड़ा कारण है। जलवायु परिवर्तन भी भाषा को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण और प्रबल कारक है। यहाँ यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि भाषाओं की विलुप्ति का खतरा आज आमतौर उन भाषाओं पर सबसे अधिक है जो कि देसज लोगों द्वारा बोली हैं। आज खतरे में पड़ी भाषाओं के संरक्षण और अस्तित्व की रक्षा के लिए विभिन्न उपाय किए जाने बहुत ही आवश्यक हैं। तभी हम भाषाओं के अस्तित्व को बचा सकते हैं। भाषाओं के संरक्षण के लिए हमें भाषाओं के व्याकरण संबंधी विभिन्न जानकारियों को सहेज कर रखना होगा। भाषाओं के शब्दकोश तैयार करने होंगे। आज भाषाओं के मूल नियमों, उस भाषा विशेष की लोककथाओं, साहित्य, इन भाषाओं व बोलियों(डायलेक्टस) की विशेषताओं को लिखित में संरक्षित किए जाने की जरूरत है। वैसे कुछ समय पहले संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया की विभिन्न देशज भाषाओं को बचाने के लिए 'अंतरराष्ट्रीय देशज भाषा दशक' की शुरूआत की है। संस्कृति, ज्ञान और परंपराओं को बचाने के लिए आज भाषाओं को संरक्षित किए जाने की आवश्यकता अत्यंत ही महत्ती है। आज भाषायी विविधता लगातार संकट में है,क्यों कि बहुत सी भाषाएं लुप्त होती चली जा रही हैं, बहुत सी बोलियां लिपि के अभाव में ही लुप्त हो गई, उनके बोलने, समझने, लिखने पढ़ने वाले नहीं रहे। वास्तव में, आज इस बात पर चिंतन मनन किए जाने की आवश्यकता है कि हम अपनी भाषाओं को संपूर्ण विश्व पटल तक या उच्च स्तर तक कैसे पहुंचाएं, हमें आज इस दिशा में काम करने की जरूरत है। भाषा के प्रति जो भावनाएं हमारे अंदर हैं उन्हें प्रगाढ़ बनाने के लिए हमें आज आपस में सभी के साथ, एक दूसरे के साथ सहयोगात्मक रवैया रखने की जरूरत है। सभी भाषाओं का अपना अलग महत्व है और कोई भी भाषा अच्छी-बुरी नहीं होती है, भाषा हमेशा भाषा ही होती है और सभी को अपनी अपनी भाषाओं से लगाव है और होना भी चाहिए, विशेषकर अपनी मातृभाषा से। एक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिकाधिक भाषाओं को सीखने का प्रयास करना चाहिए और सभी भाषाओं का आदर सम्मान करना चाहिए। किसी भाषा को सीखना कभी भी बुरा नहीं कहा जा सकता है लेकिन अपनी भाषा को छोड़ना भी कभी सही नहीं कहा जा सकता है। अपनी मातृभाषा को हमें अवश्य ही तवज्जो देनी चाहिए, क्यों कि जो बात हम अपनी स्वयं की मातृभाषा में जितनी सरलता, सहजता से कह सकते हैं, वह कभी भी हम किसी दूसरी भाषा में नहीं कह सकते हैं। हमें दूसरी भाषाओं के शब्दों, उसके व्याकरण, उसकी वर्तनी, उसके साहित्य,उसके इतिहास के बारे में ज्ञान रखना चाहिए, क्यों कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। हमें सदैव इस बात चिंतन जरूर करना चाहिए कि हम अपनी भाषा को कैसे बढ़ाएं, उसे कैसे आगे ले जाएं, उसे कैसे समृद्ध करें, इस दिशा में हमें पहल करने की जरूरत है। हमें यह चाहिए कि हम अपनी भाषा को अधिकाधिक बोलें, उसका दैनिक जीवन में अधिकाधिक प्रयोग करें और उसे लिखना सीखें। हम दूसरी भाषाओं की सामग्री को जिसमें बच्चों का खेल, व्यंग्य, आपसी संवाद आदि को अनुवाद कर नई भाषा को सीख सकते हैं।स्कूलों में भी प्राथमिक स्तर से मातृभाषा की पढ़ाई होनी चाहिए, ताकि शुरू से बच्चे अपनी भाषा के प्रति सजग व जागरूक हो सकें। आज हम बहुत सी भारतीय आदिवासी और अलिखित भाषाओं को पूरी तरह से खो चुके हैं। आज आदिवासी भाषाओं पर विशेष खतरा है।भाषाविद् विशेषज्ञों का कहना है कि, सबसे बड़ा खतरा सिक्किम में मांझी भाषा को है। पूर्वी भारत में महली भाषा, अरुणाचल प्रदेश में कोरो, गुजरात में सिदी और असम में दीमासा भी विलुप्ति का सामना कर रहे हैं।आठवीं अनुसूची में शामिल दो प्रमुख जनजातीय भाषाओं, अर्थात् बोडो और संताली में भी गिरावट देखी गई है। असम में बोडो भाषा बोलने वालों की संख्या वर्ष 2011 में घटकर कुल जनसंख्या का 4.53 प्रतिशत हो गई, जो वर्ष 2001 में 4.86 प्रतिशत थी। वास्तव में, हमारे देश में लगभग 197 भाषाएं संकट के विभिन्न चरणों में हैं, जो दुनिया के किसी भी देश की तुलना में अधिक है। जानकारी देना चाहूंगा कि जनजातीय भाषाएं किसी क्षेत्र विशेष के वनस्पतियों, जीवों और औषधीय पौधों, वहाँ के पारिस्थितिकीय तंत्र के बारे में ज्ञान का बहुत बड़ा खजाना होतीं हैं। आमतौर पर, यह जानकारी पीढ़ी-दर-पीढ़ी पारित की जाती है। लेकिन जब किसी भाषा का ह्रास होता है, तो वह ज्ञान प्रणाली पूरी तरह से समाप्त हो जाती है। भाषा की हानि के साथ संस्कृति में सब कुछ खो जाता है। बहरहाल, किसी भाषा को लुप्त होने से बचाने के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण काम किया जा सकता है, वह यह है कि इसके बोलने वालों के लिए तथा इसे अपने बच्चों को इसे सिखाने के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण किया जाए। बोलियों की लिपियों को विकसित करने की दिशा में यथेष्ट प्रयास किए जाएं। किसी भाषा को लिखेंगे तो उसका साहित्य संरक्षित रह सकेगा। विलुप्त हो रही भाषाओं के लिटरेचर को संरक्षित करने के प्रयास किए जाएं, कविताएं प्रकाशित की जाएं,नाटक प्रदर्शित किए जाएं, उन पर फिल्में आदि बनाई जाएं, उनके वक्ताओं को प्रोत्साहित किया जाए, सीखने में रूचि का प्रदर्शन किया जाए।

नीमराना फोर्ट के आसपास स्थित इन हसीन जगहों पर आप भी एक बार जायें

दिल्ली-एनसीआर के आसपास में स्थित नीमराना फोर्ट को अपार सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है। इसलिए इस खूबसूरत फोर्ट को एक्सप्लोर करने के लिए हर दिन हजारों लोग पहुंचते रहते हैं। खासकर दिल्ली के लोग लॉन्ग ड्राइव करते हुए फोर्ट घूमने पहुंच जाते हैं। लेकिन बार-बार एक ही स्थान पर घूमने या लॉन्ग ड्राइव पर जाने से व्यक्ति बोर हो जाता है। ऐसे में अगर आप भी आने वाले दिनों के नीमराना फोर्ट घूमने जा रहे हैं, तो अब कुछ अन्य बेहतरीन जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

तिजारा फोर्ट

नीमराना फोर्ट के आसपास में स्थित किसी हसीन और ऐतिहासिक जगह की बात होती है, तो तिजारा फोर्ट का नाम जरूर शामिल रहता है। 19वीं शताब्दी में निर्मित यह फोर्ट खूबसूरती के साथ-साथ बेहतरीन हेरिटेज होटल के रूप में भी जाना जाता है। पहाड़ी की सबसे उंची चोटी पर मौजूद होने के चलते यह पर्यटकों के बीच भी काफी फेमस है। फोर्ट से जब नीचे की तरफ देखते हैं, तो दूर-दूर तक सिर्फ हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है। मानसून के समय फोर्ट के आसपास का नजारा और भी अधिक खूबसूरत दिखाई देता है। आपको बता दें कि यह एक हेरिटेज होटल भी है और आप यहां ठहरकर शाही मेहमान नवाजी का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

लेपर्ड ट्रेल

नीमराना-गुडगांव हाइवे के किनारे स्थित लेपर्ड ट्रेल उन जगहों में शामिल है, जहां मानसून के समय सबसे अधिक लोग घूमने पहुंचते हैं। अरावली की पहाड़ियों के बीच में मौजूद यह हसीन जगह सौंदर्य का खजाना माना जाता है। लेपर्ड ट्रेल हसीन हरियाली के साथ-साथ ट्रैकिंग के लिए भी काफी फेमस माना जाता है। रिमझिम बारिश के समय कई लोग यहां ट्रैकिंग करने भी पहुंचते हैं। इस खूबसूरत जंगल के बारे में कहा जाता है यहां पहले कई लेपर्ड रहते थे। इसलिए इसका नाम लेपर्ड ट्रेल रखा गया।

सिलीसेढ़ झील

मानसून और झील का रिश्ता कितना गहरा होता है, यह बताने की जरूरत शायद ही होगा। खैर, नीमराना फोर्ट से लगभग 79 किमी की दूरी पर मौजूद सिलीसेढ़ झील घूमने के लिए एक मनमोहक स्थान है। मानसून के समय सिलीसेढ़ झील की खूबसूरती चरम पर होती है। इसलिए इस झील के किनारे मानसून में सबसे अधिक पर्यटक घूमने पहुंचते हैं। दिल्ली और दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं, तो यहां पहुंचने के लिए लॉन्ग ड्राइव का भी मजा उठा सकते हैं।

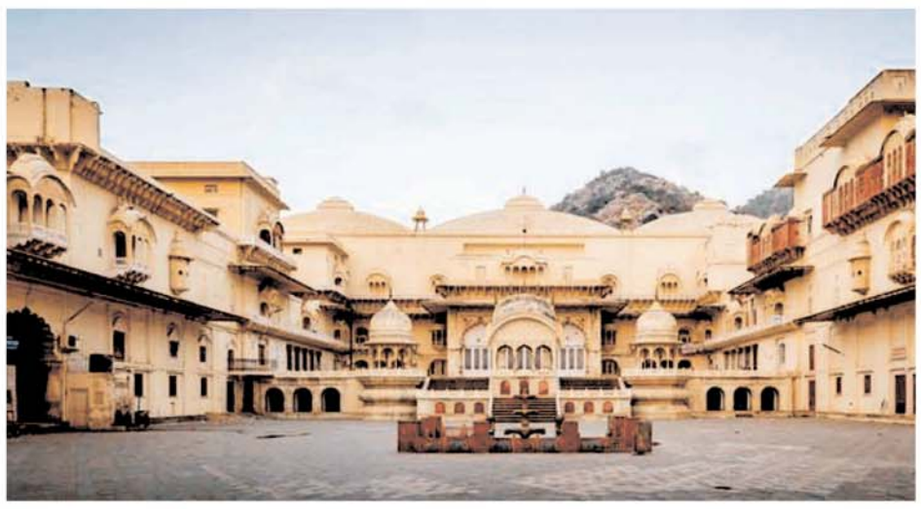

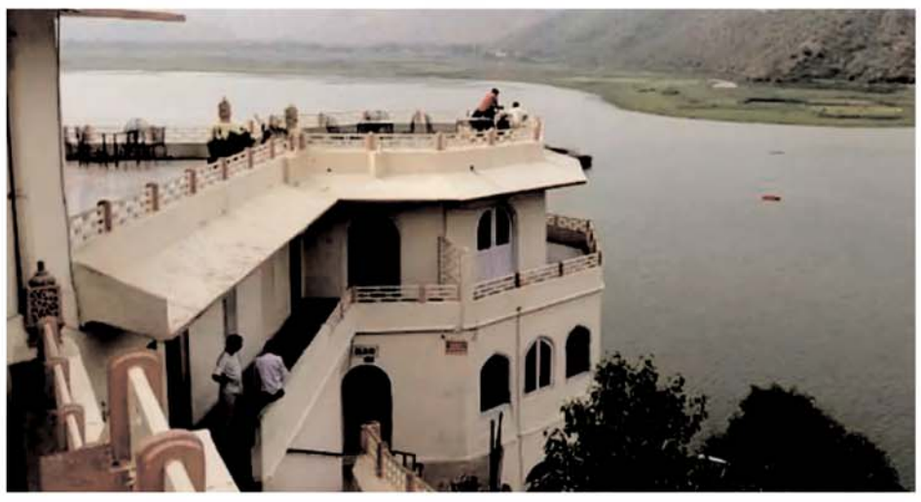

सिटी पैलेस अलवर

साल 1793 के आसपास के निर्मित सिटी पैलेस अलवर भी नीमराना के आसपास घूमने के लिए एक बेहतरीन स्थान है। इस खूबसूरत पैलेस को विनय विलास महल के नाम से भी जाना जाता है। सिटी पैलेस भारत-इस्लामी वास्तुकला के लिए भी काफी फेमस माना जाता है। आपको बता दें कि फोर्ट को एक्सप्लोर करने के लिए भारतीय को 5 रूपये और विदेशो पर्यटकों को 50 रूपये का टिकट लेना होगा।

सुकून और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जरूर जाएं 100 टापुओं वाले भारत के इस शहर में

बात जब भी कभी टापुओं की आती है, तो दिमाग में सबसे पहले समुंदर की लहरों के बीच हरियाली से भरे स्थान की तस्वीर सामने आ जाती है। हालांकि, विविधताओं से भरे हमारे देश में ऐसी-ऐसी जगहें हैं, जहां के बारे में अब तक तमाम लोगों ने सुना भी नहीं होगा। ऐसी ही एक जगह है राजस्थान का बांसवाड़ा जिला, जिसे 'राजस्थान के चेरापूंजी' यानी प्रदेश के सबसे ज्यादा बारिश वाले स्थान के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा इस जिले की खूबी यहां बहने वाली माही नदी है, जिसमें 100 से ज्यादा टापू बने हुए हैं और इन्हें चाचा कोटा कहा जाता है। माइक्रोब्लॉगिंग मंच, कू ऐप पर राजस्थान टूरिज्म ने अपनी एक वीडियो पोस्ट में इस बेहतरीन जगह की जानकारी दी है। राजस्थान पर्यटन विभाग ने अपनी इस कू पोस्ट के कैप्शन में लिखा, बांसवाड़ा के छिपे हुए रत्न-चाचा कोटा से रूबरू हों। यह एक गांव है, जो अपनी बेजोड़ सुंदरता से मंत्रमुग्ध कर देता है। 100 टापुओं के बीच एक नाव की लुभावनी सवारी पर निकलें और जहां तक नजर जाए वहां तक फैले हुए मनमोहक क्षितिज को देखें। इस जादुई स्थान में पसरी शांति को आपको परेशान नहीं, बल्कि सुकून देगी और आपके यहां के सफर को यादगार बना देगी। जैसा कि नाम से ही पता चलता है, बांसवाड़ा का नाम बांस या बांस के पेड़ों के कारण पड़ा था और ये पेड़ एक वक्त पर यहां काफी मात्रा में उगते थे। पहले यह जिला महारावलों के शासन वाली एक रियासत थी और बताया जाता है कि एक भील शासक बांसिया ने इस पर शासन किया था और उसके नाम पर ही इस स्थान का नाम बांसवाड़ा रखा गया था। इसके बाद बांसिया को जगमल सिंह ने पराजित कर मार डाला और फिर इस रियासत का पहला महारावल बना।

चाचा कोटा

माही नदी पर बने बांध के पानी में बेहतरीन खूबसूरती से भरी एक प्राकृतिक जगह है- चाचा कोटा, जो बांसवाड़ा शहर से 14 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां हरी-भरी पहाड़ियां, समुद्र तट जैसा नजारा और जहां तक नजर जाए हर तरफ पानी ही पानी नजर आता है। आस-पास की ऊंची-ऊंची पहाड़ियां, रास्ते के चारों तरफ हरा-भरा माहौल, सर्पीली टेढ़ी-मेढ़ी सड़कें और झरने मिलकर इस स्थान को प्राकृतिक सुंदरता के लिहाज से बिल्कुल बेहतरीन बना देते हैं।

माही बांध

माही बजाज सागर बांध को बांसवाड़ा जिले की जीवन रेखा माना जाता है, जो क्षेत्र के कृषि और आर्थिक विकास का एक बड़ा स्रोत बन गया है। 16 दरवाजों वाला माही बांध, राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा बांध है। बांसवाड़ा शहर से 18

किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस बांध के पानी में कई पहाड़ियां आंशिक रूप से डूबी रहती हैं और छोटे टापुओं जैसा मनोरम दृश्य पेश करती हैं। यही कारण है कि इस स्थान को सौ द्वीपों का शहर भी कहा जाता है। बारिश के मौसम में यहां जमा अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जब मुख्य बांध के दरवाजे खोले जाते हैं तो यह पर्यटकों के लिए एक शानदार स्थान में बदल जाता है। माही बांध वास्तव में बांसवाड़ा में पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण केंद्र है।

श्री त्रिपुर सुंदरी मंदिर

श्री त्रिपुर सुंदरी मंदिर बांसवाड़ा जिले के मुख्यालय से 19 किमी की दूरी पर है और यह त्रिपुर सुंदरी देवी को समर्पित है। इन्हें माता तीर्तिया के नाम से भी जाना जाता है। माता की भव्य मूर्ति की 18 भुजाएं हैं, जिसमें वह शेर पर सवार विभिन्न शस्त्र धारण किए हुए हैं। मुख्य मूर्ति के चारों ओर 52 भैरव और 64 योगिनियों की छोटी मूर्तियां हैं। यह वागड़ क्षेत्र का सबसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है और दूर-दूर से श्रद्धालु यहां पूजा करने आते हैं।

कागदी पिकअप

बांसवाड़ा शहर के पूर्वी हिस्से में कागदी पिकअप पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। यहां पर कागदी झील और किनारे बना बगीचा एक बार देखने के बाद नजरें हटाने का मन ही नहीं करता है। विशेषरूप से बरसात के मौसम में, यह झील कई प्रवासी पक्षियों की अठखेलियों का गवाह बनती है। पक्षी प्रेमियों के लिए विशेष रूप से सूर्योदय और सूर्यास्त का समय सबसे बेहतर रहता है।

सैयदी फखरुद्दीन शहीद स्मारक

गलियाकोट राजस्थान के डूंगरपुर जिले का एक शहर है और यह बांसवाड़ा से करीब 80 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। यह दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है। यह शहर बाबजी मौला सैयदी फखरुद्दीन की कब्र के लिए मशहूर है जो 10वीं शताब्दी में यहां रहते थे। दाऊदी बोहरा समुदाय के लोग हर साल श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पर आते हैं।

पर्यटकों के लिए खास है रायगढ़ फोर्ट

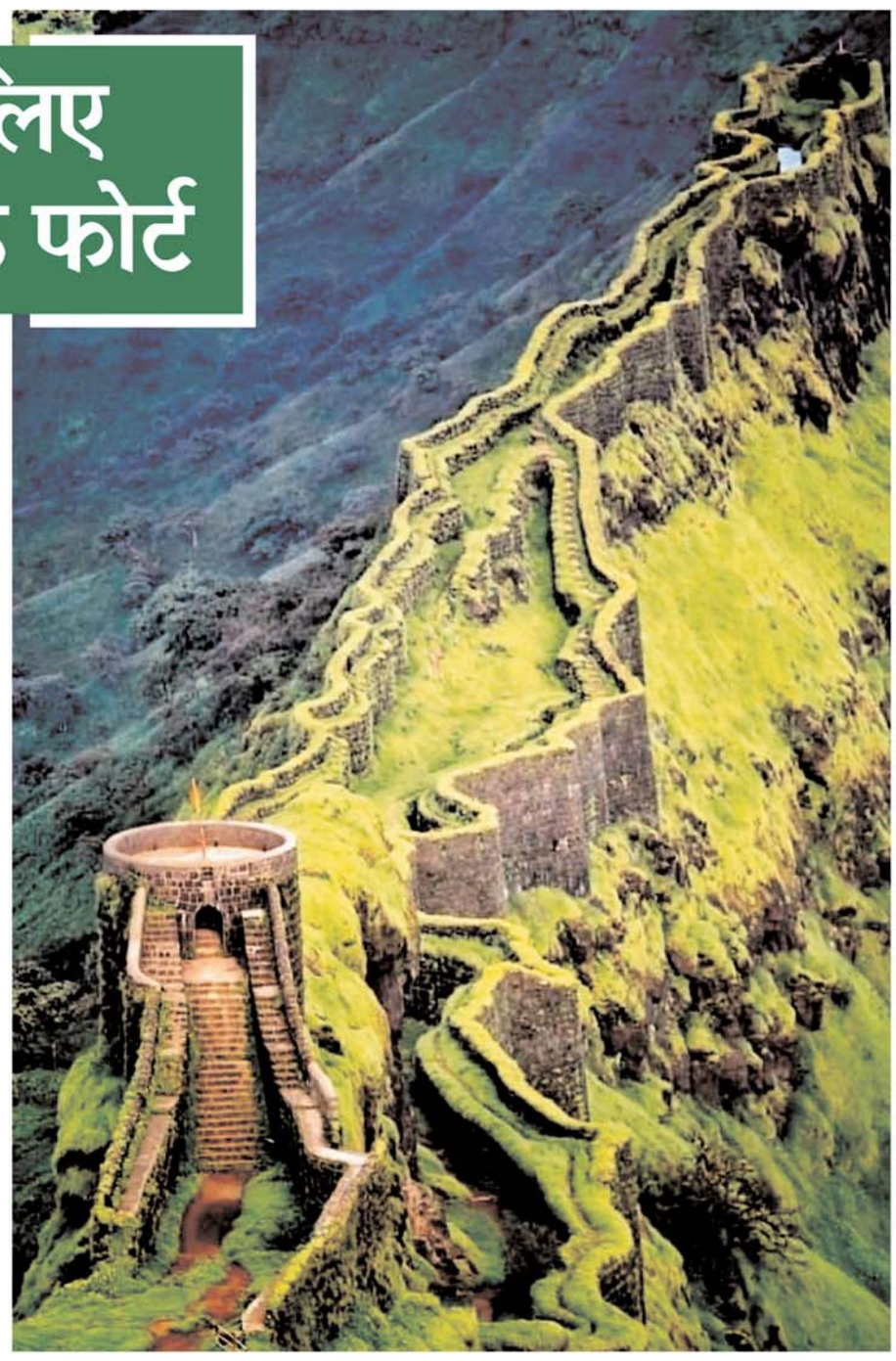

मानसून में महाराष्ट्र घूमने के लिए हर दिन लाखों पर्यटक पहुंचते हैं। मुंबई, पुणे, नासिक, लोनावाला के अलावा पंचगनी और खंडाला जैसी जगहों पर पहुंचते रहते हैं, लेकिन महाराष्ट्र में स्थित रायगढ़ भी एक ऐसी जगह है जहां मानसून में घूमने के बाद किसी अन्य जगह को भूल जाएंगे।

रायगढ़ फोर्ट

रायगढ़ में घूमने की बात होती है तो सबसे पहले रायगढ़ फोर्ट का नाम जरूर लिया जाता है। समुद्र तल से लगभग 2 हजार से भी अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित यह फोर्ट महाराष्ट्र का शान भी माना जाता है। सह्याद्री पर्वत श्रृंखला में स्थित यह फोट सैलानियों के बीच भी काफी फेमस है। फोर्ट से रायगढ़ जिले का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। मानसून के समय चारों तरफ हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है। यहां कई सैलानी फोटोग्राफी के लिए भी पहुंचते हैं। आपको बता दें कि इस फोर्ट का निर्माण चंद्रराव मोर्स ने करवाया था।

टकमक टोक

रायगढ़ में घूमने के लिए टकमक टोक भी एक बेहद ही खूबसूरत और हसीन पर्यटक स्थल है। आपको बता दें कि यह एक व्यू पॉइंट है और यहां से आसपास का नजारा बेहद ही खूबसूरत होता है। मानसून के समय यहां कई सैलानी इसलिए आते हैं ताकि मानसून की खूबसूरती देखी जा सकें। कहा जाता है कि प्राचीन काल में पॉइंट को दंड देने के लिए किया जाता है।

मधे घाट वॉटरफॉल

मानसून के समय रायगढ़ में घूमने के लिए इससे बेहतरीन और मनमोहक स्थान कोई हो ही नहीं सकता है। मानसून के समय जब ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों से दूध जैसा बहता पानी गिरता है तो दृश्य को सिर्फ देखने का ही मन करता है। मधे घाट वॉटरफॉल मानसून में एक साथ कई खूबसूरत दृश्यों को प्रस्तुत करता है, इसलिए सैलानी भी मानसून के समय यहां भारी संख्या में पहुंचते हैं। वॉटरफॉल के आसपास हरी-भरी वनस्पतियां, खूबसूरत पहाड़ और घास के मैदान भी मौजूद हैं।

दिवेआगर बीच

वैसे तो महाराष्ट्र में कई बीच मौजूद हैं, लेकिन अगर आप रायगढ़ की यात्रा में भी समुद्र तट को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो फिर आपको दिवेआगर बीच पहुंच जाना चाहिए। यह बीच पूरे महाराष्ट्र में भी काफी खूबसूरत पर्यटक स्थल माना जाता है। दिवेआगर बीच सफ़ेद रेत, पानी की लहरें और एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए भी जाना जाता है। मानसून के समय इस जगह की खूबसूरती चरम पर होती है, क्योंकि पानी की लहरें काफी तेज हो जाती है।

मेरठ के बेहद करीब हैं यह खूबसूरत हिल स्टेशन

मेरठ उत्तर प्रदेश का एक ऐतिहासिक और एक खूबसूरत शहर है। राजधानी दिल्ली से यह लगभग 75 किमी की दूरी पर मौजूद है। मेरठ खेल का सामान बनाने के लिए भी पूरे भारत में प्रसिद्ध है। मेरठ में ऐसी कई बेहतरीन और ऐतिहासिक जगहें मौजूद हैं जो प्राचीन और मध्यकाल को दर्शाती हैं। इन जगहों पर हर रोज हजारों लोग भी घूमने के लिए पहुंचते हैं। मेरठ के आसपास ऐसे कई बेहतरीन और शानदार हिल स्टेशन्स भी हैं, जहां घूमने का बाद आपका भी मन तृप्त हो सकता है।

कोटद्वार में घूमने की जगहें

उत्तराखंड की हसीन वादियों में मौजूद कोटद्वार के बेहद ही शानदार और मनमोहक हिल स्टेशन है। यह मेरठ में काफी करीब भी पड़ता है, इसलिए मेरठ से कई लोग घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। कोटद्वार अपनी खूबसूरती के अलावा हसीन पहाड़, हरियाली, झील और झरनों के लिए काफी फेमस माना जाता है। मानसून में इस जगह की खूबसूरती चरम पर होती है। इसलिए मानसून में यहां सबसे अधिक पर्यटक पहुंचते हैं। कोटद्वार में आप कण्वाश्रम, चरेख डंडा और सेंट जोसेफ चर्च जैसी जगहों पर घूमने जा सकते हैं।

दूरी : मेरठ से कोटद्वार की दूरी 128 किमी है।

औली में घूमने की जगहें

उत्तराखंड का औली अपनी खूबसूरती और हसीन दृश्यों के लिए भारत के लगभग हर शहर में फेमस है। यह एक ऐसा हिल स्टेशन है जहां हर मौसम में घूमने का एक अलग ही मजा होता है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान, देवदार के पेड़, झील और झरने की हिल स्टेशन की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते रहते हैं। औली बेहद शांत पर्यटक स्थल भी माना जाता है।औली में नंदा देवी, त्रिशूल पीक, चिनाब झील और गुरसों बुग्याल जैसी मनमोहक जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

दूरी : मेरठ से लैंसडाउन की दूरी 138 किमी है।

ऋषिकेश में घूमने की जगहें

भारत के साथ-साथ विश्व भर में योग नगरी के नाम से फेमस ऋषिकेश खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन है। मेरठ के करीब में होने के चलते मेरठ से भी सैलानी घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। ऋषिकेश में त्रिवेणी घाट, कैलाश निकेतन, बीटल्स आश्रम, मैगी पॉइंट और लक्ष्मण झूला जैसी बेहतरीन जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं। इसके अलावा ऋषिकेश में आप बंजी जंपिंग, रिवर राफ्टिंग और ट्रैकिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

दूरी : मेरठ से ऋषिकेश की दूरी 160 किमी है।

लैंसडाउन में घूमने की जगहें

अगर आप हिमालय की गोद में मौजूद किसी बेहतरीन और अद्भुत हिल स्टेशन घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो फिर आपको लैंसडाउन पहुंच जाना चाहिए। मेरठ के करीब में स्थित लैंसडाउन नेचर लवर्स के लिए किसी जन्नत से कम नहीं। लैंसडाउन अपनी खूबसूरती के साथ-साथ मनमोहक दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। मानसून के समय लैंसडाउन की खूबसूरती रोमांटिक हो होती है, इसलिए मानसून में कपल्स यहां कुछ अधिक ही घूमने पहुंचते हैं। लैंसडाउन में भुल्ला ताल, टीप एन टॉप हाइकिं और स्नो व्यू पॉइंट ट्रेक घूमने के अलावा जंगल सफारी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

दूरी : मेरठ से लैंसडाउन की दूरी 168 किमी है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान ने एक सप्ताह के भीतर उधार लिए 657 अरब रुपये

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान गंभीर आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार बनने के बाद बीते एक हफ्ते में पाकिस्तान 657 अरब रुपये उधार ले चुका है। भारत का यह पड़ोसी ओवरऑल अब तक लाखों करोड़ रुपये का ऋण ले चुका है। आर्थिक संकट से जूझ रहे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान सरकार ने एक सप्ताह के भीतर बैंकों से 657अरब पाकिस्तानी रुपया उधार लिया है। यह खुलासा डॉन ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट में दी। यह कर्ज सरकार ने अपने बढ़ते खर्चों को पूरा करने के लिए लिया है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के आंकड़ों से पता चला है कि वाणिज्यिक बैंकों से सरकार की उधारी 1 जुलाई 2023 से 5 अप्रैल 2024 तक रिकॉर्ड 5.5 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये तक पहुंच गई है। वहीं, 13 अप्रैल को एसबीपी की रिपोर्ट के अनुसार वाणिज्यिक बैंकों से सरकार की उधारी 4.8 लाख करोड़ थी। इससे पता चलता है कि एक सप्ताह के दौरान सरकार ने करीब 657 अरब पीकेआर का उधार लिया। डॉन के अनुसार यह भारी उधारी अर्थव्यवस्था पर अत्यधिक बोझ डाल रही है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि आईएमएफ के साथ नया समझौता पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार से उधार लेने का रास्ता खोल सकता है। साथ ही जून 2024 के अंत तक उधारी 7 लाख करोड़ तक पहुंच सकती है।

चुनावों की मांग को लेकर हजारों इजरायलियों ने विरोध किया

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल में हजारों लोग गाजा में बंधक बनाए गए सभी बंधकों की तत्काल रिहाई और नए चुनावों की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। तेल अवीव में शनिवार शाम को एक सामूहिक रैली में लोगों ने जोर-शोर से फिलिस्तीनी तटीय क्षेत्र में इजरायल से अगवा किए गए सभी लोगों की तत्काल रिहाई के साथ-साथ नए चुनावों की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर इशारा करते हुए कहा कि जिन्होंने उन्हें त्याग दिया है उसे उन्हें घर लाना होगा। अपहृत लोगों के परिजनों ने इजरायली सरकार पर फिलिस्तीनी इस्लामी संगठन हमास के साथ समझौते पर पहुंचने में कोई गंभीर रुचि नहीं होने का आरोप लगाया है। इजरायल और हमास महीनों से युद्धविराम और 7 अक्टूबर को अगवा किए गए अन्य बंधकों की रिहाई के बारे में अप्रत्यक्ष रूप से बातचीत कर रहे हैं। फिलहाल कोई सफलता नजर नहीं आ रही है। शनिवार शाम को तटीय शहरों तेल अवीव और हाइफा में हजारों लोगों ने और बेर्शेबा शहर में सैकड़ों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। कथित तौर पर कैसरिया में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के एक निजी विला के पास एक हजार से अधिक लोग एकत्र हुए थे। अन्य इजरायली शहरों में भी रैलियां हुईं। कुछ हफ्ते पहले तक, इजरायल ने मान लिया था कि बचे हुए 130 बंधकों में से 100 से भी कम अभी भी जीवित हैं। हालांकि, अब यह आशंका है कि उनमें से काफी अधिक लोग मारे जा सकते हैं।

न्यूयॉर्क में बोले ईरान के विदेश मंत्री, पश्चिम एशिया में तनाव कम हो

न्यूयॉर्क, एजेंसी। इजरायल और ईरान के बीच जारी जैसे को तैसा कार्रवाइयों के बीच ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीरबदोल्लाहियान ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की वकालत की है। न्यूयॉर्क में शनिवार को ईरानी मीडिया से रू-ब-रू होते हुए उन्होंने यह बात कही। अमीरबदोल्लाहियान ने कहा युद्ध और सैन्य तनाव से क्षेत्र में किसी भी पक्ष को कोई फायदा नहीं है, इसलिए मौलिक समाधान ढूंढे जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी पक्षों को राजनीतिक समाधान पर ध्यान देने की जरूरत है। अमीराबदोल्लाहियान ने अमेरिका की यात्रा के अंत में कहा कि इजरायल को क्षेत्र में अपने युद्ध अपराध बंद करने होंगे। इसके बाद गाजा संघर्ष में मानवीय सहायता और कैदियों के लिए बंधकों की अदला-बदली संभव हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र के कई सत्रों में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क दौरे पर आए अमीरबदोल्लाहियन ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान शुक्रवार को अपने मध्य इस्फ़हान प्रांत में सैन्य ठिकानों पर हुए हमलों पर जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा।

प्रशिक्षण के दौरान हादसे का शिकार हुए दो सैन्य हेलीकॉप्टर, क्रैश में एक की मौत

टोक्यो, एजेंसी। शनिवार देर रात दो जापानी मिलिट्री हेलीकॉप्टर प्रशिक्षण के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गए। जिसमें अब तक एक का शव बरामद हुआ है, अन्य सात लोग लापता हैं। हालांकि अब तक दोनों हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने का कारण पता नहीं लग पाया है। वहीं लापता सात लोगों की खोज जारी है।

जापान के दो हेलीकॉप्टर रात में प्रशांत महासागर के इजू द्वीप पर पनडुब्बियों का मुकाबला करने का अभ्यास कर रहे थे। टोरीशिमा द्वीप के पास रात 10:38 के आसपास एक हेलीकॉप्टर से संपर्क टूट गया, उसके कुछ क्षणों बाद ही विमान से एक आपातकालीन सिग्नल प्राप्त हुआ। इसके लगभग 25 मिनट बाद करीबन 11:04 पर इसी क्षेत्र में प्रशिक्षण कर रहे दूसरे विमान से भी संपर्क टूट गया। जापान के आत्मरक्षा बल (एसडीएफ) के एक प्रवक्ता ने एएफपी को शनिवार देर रात की घटना की पुष्टि की और कहा कि एक व्यक्ति को बचाया गया था, लेकिन उसकी मौत हो गई।

रक्षामंत्री माइनोरू किहारा का कहना है कि समुद्र में विमान का हिस्से देखे गए हैं। जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों दुर्घटनाग्रस्त हुए। हालांकि अब तक दुर्घटना का सही कारण नहीं पता चल पाया है, हमारी प्राथमिकता लोगों को बचाना है। एक चालक दल के सदस्य को बचाया गया था, लेकिन उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। लापता अन्य सात लोगों की खोज जारी है। मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स ने कहा कि आस-पास के जल क्षेत्र में कोई अन्य विमान या जहाज नहीं था, इसलिए घटना में किसी अन्य देश की संलिप्तता की संभावना नहीं है।

पिछले साल अप्रैल में एक सेना के हेलीकॉप्टर का दक्षिणी ओकिनावा में मियाको द्वीप पर एक्सीडेंट हो चुका है। इसमें 10 लोग सवार थे, जिसमें दो पायलट, दो मैकेनिक और एक सेना जनरल और अन्य सवार थे। इनमें से एक भी जीवित नहीं बचा।

वहीं जनवरी 2022 में भी एक लड़ाकू जैट मध्य इशिकावा में पानी में क्रैश हुआ था। इसमें बैठे दो पायलट की मौत हो गई थी। यही नहीं 2019 में एक स्टील्थ जेट का प्रशिक्षण मिशन पर उत्तरपूर्वी जापान से उड़ान भरने के बाद समुद्र में क्रैश हुआ।

पिछले साल नवंबर में अमेरिकी सेना का एक ऑस्प्रे सैन्य विमान जापान के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसमें सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई थी। जापान इन दिनों देश की सुरक्षा के पर खास ध्यान दे रहा है। लगातार संयुक्त राज्य अमेरिका, एशिया के कई देशों के साथ अपने संबंध सुधारने में लगा हुआ है। सूत्रों की मानें तो इन दिनों चीन की आक्रामता और उत्तर कोरिया के कारण जापान अपनी सुरक्षा व्यव्यस्था पर खर्च बढ़ा चुका है।

खैबर पख्तूनख्वा में 13 और मौतें, बाढ़ में अब तक 59 लोगों की गई जान; मरने वालों में 33 बच्चे

खैबर पख्तूनख्वा , एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा में 13 और लोगों की मौत की खबर सामने आई है। डॉन ने प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि एक ही दिन में लगभग दो दर्जन लोगों की मौत के साथ खैबर पख्तूनख्वा में गंभीर मौसम की स्थिति से मरने वालों की संख्या बढ़कर 59 हो गई है।

शुक्रवार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए), जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) और अन्य संबंधित विभागों को पाकिस्तान में 29 अप्रैल तक भारी बारिश और तूफान के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया था। डॉन के अनुसार, इससे पहले खैबर पख्तूनख्वा में पीएमडी ने बुधवार रात से 21 अप्रैल तक शांगला, बुनेर, बाजौर, खैबर और पेशावर सहित क्षेत्रों में बारिश,आंधी-तूफान और ऊंची चोटियों पर बर्फबारी का पूर्वानुमान जारी किया था।

12 अप्रैल के बाद से लगातार बारिश के कारण प्रांत के उत्तरी क्षेत्रों में अचानक बाढ़ आ गई है, जिससे पूरे खैबर पख्तूनख्वा में भूस्खलन और संरचनात्मक पतन हुआ है।

पीडीएमए की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों में 33 बच्चे, 14 पुरुष और 12 महिलाएं शामिल हैं, जबकि बारिश से संबंधित घटनाओं में कुल 72 लोग घायल हुए हैं।

डॉन के अनुसार, रिपोर्ट में महत्वपूर्ण क्षति का संकेत दिया गया है, जिसमें 2,883 घर और 68 स्कूल प्रभावित हुए हैं और 309 मवेशियों की हानि हुई है। पीडीएमए के प्रवक्ता अनवर शहजाद ने डॉन वेबसाइट को बताया कि शनिवार को नदियों में पानी का प्रवाह सामान्य था। सिंचाई विभाग के बाढ़ सेल की एक रिपोर्ट पूरे प्रांत में 12 नदियों में अलग-अलग जल प्रवाह स्तर का संकेत देती है, जो निम्न से मध्यम और सामान्य तक है। पीडीएमए प्रवक्ता ने कहा कि राहत प्रयासों को बनाए रखने के लिए जिलों को 110 मिलियन पाकिस्तानी रुपय की आपातकालीन सहायता राशि आवंटित की गई है।

संसद के निचले सदन में यूक्रेन-इस्राइल के लिए 95 अरब डॉलर के पैकेज को मंजूरी, बाइडन ने की थी अपील

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में यूक्रेन के साथ-साथ पश्चिम एशियाई देश इस्राइल और युद्धग्रस्त गाजा में मानवीय सहायता संबंधी पैकेज को मंजूरी मिल गई। सदन ने 61 अरब अमेरिकी डॉलर के यूक्रेन सहायता पैकेज को मंजूरी दी। राष्ट्रपति जो बाइडन की अपील के दो दिन बाद अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में यूक्रेन के साथ-साथ पश्चिम एशियाई देश इस्राइल और युद्धग्रस्त गाजा में मानवीय सहायता संबंधी पैकेज को मंजूरी मिल गई। सदन ने 61 अरब अमेरिकी डॉलर के यूक्रेन सहायता पैकेज को मंजूरी दी। इस पैकेज को युद्धग्रस्त यूक्रेन को नए सिरे से अमेरिकी समर्थन की तरह देखा जा रहा है। इसके अलावा सदन ने इस्राइल की सहायता करने और युद्धग्रस्त गाजा में लोगों को मानवीय राहत प्रदान करने के लिए 26 बिलियन अमेरिकी डॉलर के पैकेज को मंजूरी दी। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, सदन में यूक्रेन, इस्राइल और अन्य अमेरिकी सहयोगियों के लिए कुल 95.3 अरब डॉलर के पैकेज पर वोटिंग हुई। मंजूरी के बाद इसे सीनेट में भेज दिया गया। सहायता को मंजूरी के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी सांसदों का आभार प्रकट किया। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सांसदों ने अलग-अलग मतदान किए जिसके बाद राहत पैकेज को मंजूरी दी गई। इसमें से अधिकांश प्रत्यक्ष सैन्य सहायता है।

तुम लोगों का इस्लाम दुपट्टे से ही क्यों शुरू होता है... युवक ने महिला यूट्यूबर को ओढाया शॉल तो लग गई तगड़ी क्लास

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में एक महिला यूट्यूबर का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि जब महिला यूट्यूबर लोगों से बातचीत कर रही होती है वहां पर एक युवक आता है और उसके सिर को जबरन ढकने लगता है।

युवक के इस व्यवहार को देखकर महिला गुस्सा उठती है। महिला तुरंत सिर से शॉल उतार देती है। इसके बाद महिला ने युवक की तगड़ी क्लास लगा दी।

वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक महिला से कहता है कि हम एक इस्लामिक देश में हैं और पारंपरिक रूप से महिला को अपना सिर ढकना चाहिए। और वो अपने शॉल से महिला के सिर पर शॉल रख देता है। इसके बाद महिला हंसते हुए कहती है,तुम लोगों का इस्लाम दुपट्टे से क्यों शुरू होती है क्या इस्लाम तुमको यही सिखाता है क्या कोई अजनबी बिना इजाजत के किसी महिला को छू सकता है आप अरेस्ट हो सकते हो ये सोशल हरासमेंट है।

इस वीडियो पर कई यूजर्स ने दिलचस्प कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, मैं इस युवा और साहसी महिला को सलाम करता हूं जिसने नैतिक पुलिसिंग की तरह व्यवहार करने वाले किसी भी व्यक्ति को सही सबक सिखाया। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, ये महिला की आजादी है कि वो क्या पहने।

इमरान का दावा फेल, बुशरा बीबी के खाने में नहीं मिला था टॉयलेट क्लीनर; जांच में सामने आई यह समस्या

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के इस आरोप के बाद कि जेल में सजा काट रही उनकी पत्नी बुशरा बीबी को टॉयलेट क्लीनर मिला हुआ खाना दिया गया था, इस्लामाबाद जवाबदेही अदालत ने मामले में मेडिकल जांच का आदेश दिया था।

जांच के बाद अब डॉक्टरों ने बुशरा बीबी के स्वास्थ्य को लेकर उनके भोजन में किसी भी प्रकार के केमकिल की मिलावट की बात से इनकार कर दिया है। जियो न्यूज ने यह जानकारी दी।

जियो न्यूज के अनुसार, मेडिकल जांच पाकिस्तान इमरान खान के भरोसेमंद फैमलि डॉक्टर आसिम युसुफ की मौजूदगी में की गई। जांच के दौरान, बुशरा बीबी एंडोस्कोपी सहित डायग्नोस्टिक परीक्षणों के लिए इस्लामाबाद के एक निजी अस्पताल में छह घंटे तक रुकीं। अस्पताल के सूत्रों ने कहा कि बुशरा बीबी का अल्ट्रासाउंड, ईसीएचओ और ईसीजी परीक्षण किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, डॉक्टरों ने बुशरा बीबी की सभी मेडिकल रिपोर्ट्स को मंजूरी दे दी है। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि बुशरा बीबी को केवल मामूली गैस्ट्रिक समस्या थी।

इस्राइल को अमेरिका से मिली सैन्य मदद के बाद टली जंग की संभावना, ईरान ने भी पीछे खींचे हाथ

वॉशिंगटन/यरुशलम, एजेंसी। दुनिया के कई देश युद्ध में घिरे हुए हैं। जहां रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है, वहीं हमास और इस्राइल बीते छह महीने से लड़ाई लड़ रहे हैं। इस बीच ईरान और इस्राइल के बीच भी जंग छिड़ती दिख रही थी। हालांकि, अब युद्ध की संभावना कम हो गई है। इसका कारण यह है कि इस्राइल के बचाव में उसका जिगरी दोस्त अमेरिका उतर आया है। अमेरिकी सांसदों ने शनिवार को इस्राइल के लिए नई सैन्य सहायता की मंजूरी दी है।

वेस्ट बैंक में संघर्ष तेज: बताया जा रहा है कि ईरान ने इस्राइल से बदला लेने के लिए कुछ कदम पीछे ले लिए हैं। उसने ड्रोन और मिसाइल हमले में कमी कर दी है। इस कदम ने उन आशंकाओं को कम दिया है कि कट्टर दुश्मनों के बीच बढ़ते हमले मध्य पूर्व में एक जंग में बदल सकते हैं। हालांकि, इराक में हाल ही में ईरान समर्थित सैन्य ठिकानों पांच धमाके हुए। इससे क्षेत्र में तनाव देखने को मिला। वहीं, गाजा में इस्राइल लगातार हमला कर रहा है। इससे वेस्ट बैंक में संघर्ष तेज हो गया है।

अमेरिका के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव ने आयरन डोम वायु रक्षा प्रणाली सहित इस्राइल की सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से मदद करने का फैसला लिया। इसलिए उसने इस्राइल के लिए नई सैन्य सहायता के लिए 13 अरब डॉलर को मंजूरी दी।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन अगले सप्ताह जाएंगे चीन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एंटनी ब्लिंकन जैसा हमेशा करते हैं, वैसा ही इस बार करेंगे। वह सीधे रूप से द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अमेरिका की चिंताओं पर बात करेंगे।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन जल्द ही चीन का दौरा करने वाले हैं। इसकी जानकारी देते हुए अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि ब्लिंकन 24 से 26 अप्रैल तक चीन की यात्रा पर रहेंगे।

विदेश विभाग का कहना है कि ब्लिंकन शंघाई और बीजिंग में चीनी अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मिलेंगे। इस दौरान मध्य पूर्व संकट, यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध, क्रॉस-स्ट्रेट मुद्दे और दक्षिण चीन सागर पर भी बात होगी।

एक बयान में कहा गया, विदेश मंत्री नवंबर में वुडसाइड शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडन और शी द्वारा किए गए प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए चल रहे

कार्यों पर भी चर्चा करेंगे, जो कि काउंटरनार्कोटिक्स सहयोग, सैन्य-से-सैन्य संचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर है।

विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ सार्वजनिक कूटनीति और सार्वजनिक मामलों की अवर सचिव लिज एलेन, पूर्वी एशियाई और प्रशांत मामलों के ब्यूरो के सहायक सचिव डैनियल क्रिटेनब्रिंक, अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स और कानून प्रवर्तन मामलों के ब्यूरो के सहायक सचिव टॉड रॉबिन्सन और साइबरस्पेस और डिजिटल नीति के लिए बड़े पैमाने पर राजदूत नथानिएल फिक भी होंगे।

विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, मंत्री की यात्रा निश्चित रूप से अमेरिका-चीन संबंधों को मजबूत करने के लिए होगी। वहीं, यह यात्रा पिछले एक साल में हमारी गहन कूटनीति पर आधारित होगी। सबसे पहले महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम करना लक्ष्य है। हमारा मानना है कि उच्च स्तरीय कूटनीति हमें उन मुद्दों पर आगे बढ़ने के लिए दबाव डालने की अनुमति देती है जो अमेरिकी लोगों और दुनिया के लिए मायने रखते हैं और जहां पीआरसी के साथ सीधा जुड़ाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि विदेश मंत्री जैसा हमेशा करते हैं, वैसा ही इस बार करेंगे। वह सीधे रूप से द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अमेरिका की चिंताओं पर बात करेंगे। वह हमारे मूल्यों और हमारे हितों के लिए बोलेंगे।

चीनी में बुनियादी ढांचे के बढ़ते वजन से लाखों इमारतों पर खतरा

बीजिंग, एजेंसी। अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों ने 2015 से 2022 की अवधि में 20 लाख से अधिक लोगों की आबादी वाले प्रत्येक चीनी शहर में भूमि धंसाव को मापा। उन्होंने जिन 82 शहरों की जांच की, उनमें से टीम ने पाया कि कुछ शहर तेजी से धंस रहे हैं।

नए शोध में पता चला है कि चीन के करीब आधे प्रमुख शहरों पर पानी की निकासी और शहरी इमारतों व बुनियादी ढांचे के बढ़ते वजन के कारण खतरा मंडरा रहा है। जर्नल 'साइंस' में छपे इस शोध में पाया गया कि बीजिंग और तियानजिन समेत चीनी शहर भूस्खलन के 'मध्यम से गंभीर' जोखिम में हैं। शोध में चीनी जमीन के धंसने की दर भी बताईगई। अध्ययन के मुताबिक, चीन की 45 प्रतिशत शहरी भूमि प्रति वर्ष 3 मिलीमीटर से अधिक तेजी से धंस रही थी, जबकि 16 प्रतिशत प्रति वर्ष 10 मिलीमीटर से अधिक की दर से धंस रही है।

अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों ने 2015 से 2022 की अवधि में 20 लाख से अधिक लोगों की आबादी वाले प्रत्येक चीनी शहर में भूमि धंसाव को मापा। उन्होंने जिन 82 शहरों की जांच की, उनमें से टीम ने पाया कि कुछ शहर तेजी से धंस रहे हैं। छह में से एक शहर प्रति वर्ष 10 मिमी से अधिक तेजी से धंस रहा है। उन्होंने यह भी पाया कि शंघाई जहां लगातार डूब रहा है, वहीं बीजिंग वार्षिक रूप से 45 मिलीमीटर नीचे जा रहा है।

खनन व शहरी परिवहन नेटवर्क भी एक कारण

वैज्ञानिकों ने धंसते शहरों व भूजल क्षति के बीच एक मजबूत संबंध भी पाया, जो परत में खाली छिद्र छोड़ देता है और ऊपर वजन के ढेर में सिमट जाता है। शोध के अनुसार, अन्य कारकों में शहरी परिवहन नेटवर्क, साथ ही हाइड्रोकार्बन निष्कर्षण और खनन शामिल हैं।

ढांचे की अखंडता के लिए बड़ा खतरा:

शोधकर्ताओं ने जोर देकर कहा, चीन के शहरों की गिरावट को संबोधित करने की कुंजी भूजल निकासी के दीर्घकालिक, निरंतर नियंत्रण में निहित हो सकती है। ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय में जलवायु अनुकूलन के प्रोफेसर रॉबर्ट निकोल्स ने कहा, यह धंसाव इमारतों और बुनियादी ढांचे की संरचनात्मक अखंडता के लिए बड़ा खतरा है और बाढ़ के संदर्भ में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बढ़ाता है।

लंदन मेयर पद की दौड़ में शामिल हुआ दिल्ली में जन्मा शख्स, पाकिस्तानी मूल के सादिक खान को देंगे चुनौती

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के लंदन में मेयर पद पर पाकिस्तान मूल के सादिक खान तीसरी बार जीत हासिल करने के लक्ष्य के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, इस बार उन्हें भारतीय मूल के एक उम्मीदवार से चुनौती मिलने वाली है। इनका नाम है तरुण गुलाटी। दिल्ली में जन्मे तरुण का कहना है कि लंदन के नागरिकों को सभी राजनीतिक पार्टियों ने दुखी किया है। उन्होंने आगे कहा कि वह लंदन को अनुभवी सीईओ की तरह चलाना चाहते हैं, जिससे सभी को लाभ मिल सके। उनका मानना है कि एक व्यवसायी और निवेश विशेषज्ञ के रूप में उनका अनुभव लंदन को लाभ पहुंचाने में मददगार साबित होगा। दो मई को होने वाले मेयर चुनाव में 63 वर्षीय भारतीय मूल के तरुण गुलाटी निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव में उतरेंगे। मेयर पद के लिए उनकी लड़ाई 13 अन्य उम्मीदवारों से होने वाली है। तरुण गुलाटी ने कहा, मैं लंदन को एक अनोखे वैश्विक शहर के तौर पर देखता हूं। यह विश्व के वैश्विक बैंक की तरह है, जहां दुनियाभर के लोग एकत्रित होते हैं।

खबर-खास

बोकरामुडा खुर्द हनुमान मंदिर में धूमधाम से मनाया गया श्री हनुमान जन्मोत्सव

बागबाहरा (समय दर्शन)। क्षेत्र के बोकरामुडा खुर्द श्री हनुमान मंदिर में मंगलवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव का पर्व बड़े ही धूमधाम व हषोल्लास के साथ मनाया गया । इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न मन्दिरों में सुन्दरकाण्ड पाठ,भजन,यज्ञ-हवन,व विशाल भण्डारों का आयोजन किया गया। ग्राम बोकरामुडा खुर्द जहां सन 2005 में हनुमान जी की मूर्ति स्थापित किया गया है ।आपको बता दें कि यह मंदिर स्थल में अनेक को भगवान की मूर्ति देखने को मिलेगी श्री हनुमान ,शनि देव ,विष्णु देव, राम लक्ष्मण, सूर्य देव, मां कॉलिंग,मां तुलसी ,तारिणी मां, साथ ही चंडी माता, का मूर्ति भी स्थापित किया गया है मंगलवार हनुमान जयंती के अवसर पर मंदिर के समिति द्वारा खीर पूरी केला सेब अंगूर हनुमान जी को भोग चढ़ाया और भक्तों द्वारा धूमधाम से हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। पुजारी संपत यादव, पुजारी ब्रह्मदेव माझी, जगन्नाथ मांझी, विश्राम यादव, भुवनेश्वर माझी, सरपंच यशोदा सहदेव मांझी, जनपद सभापति मंगलू राम ठाकुर, सुबन यादव, वकील मांझी, तिलक विश्वकर्मा, पत्रकार हेमसागर यादव के साथ हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम में समस्त ग्राम वासी भी मौजूद रहे।

नगर में धूमधाम से मनाए हनुमान जन्मोत्सव

गरियाबंद। नगर सहित आसपास के क्षेत्र में भगवान हनुमान की जयंती धूमधाम के साथ मनाया गया।ज्ञात हो कि श्री हनुमान का जन्म चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन हुआ था।हनुमान के जन्म स्थान के बारे में कुछ भी निश्चित नहीं है।मध्यप्रदेश के आदिवासियों का कहना है कि हनुमानजी का जन्म रांची जिले के गुमला परमंडल के ग्राम अंजन में हुआ था।कर्नाटकवासियों की धारणा है कि हनुमानजी कर्नाटक में पैदा हुए थे।कर्नाटक के पंपा और हम्पी में किष्किंधा के ध्वंसावशेष अब भी देखे जा सकते हैं।भगवान हनुमान के बारे में कहा जा सकता है कि ये केवल नाम मात्र नहीं है यह एक उपाधि भी है,जो केवल प्रभु श्री राम के भक्त शिरोमणि बजरंगबली को मिला।हनु अर्थात ठुड्डी मान मतलब मान सम्मान! वह प्रत्येक व्यक्ति जो अपने मान सम्मान को अपनी ठुड्डी के नीचे रखता है अर्थात जो जय पराजय,यश अपयश की चिंता से परे अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होता है,जो हर परिस्थिति का सामना सीना तान के करता है,ऐसे सभी लोग हनुमान है।जो व्यक्ति मान सम्मान का विशेष ध्यान रखकर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हैं वह कभी बड़ी उपलब्धि को प्राप्त नहीं कर पाते।नजरें फैलाकर देखेंगे तो आप पाएंगे की हर सफल व्यक्ति इस माननीय अवगुणों को पारकर ही सफल हुआ है।अतः हनुमान की तरह निष्काम भाव से अपने प्रभु और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें।हिन्दू धर्म के अनुसार आज चैत्र मास के शुक्ल पूर्णिमा के दिन हिंदू समाज के लोगो के द्वारा सभी हनुमान मंदिरों में सुबह से ही पूजा अर्चना कर नगर के तहसील आफिस,तिरंगा चौक बस स्टैंड,पुराना हनुमान मंदिर,पैरी नगर मंदिर,बजरंग चौक व मजरकट्टा में हवन पूजन के बाद सभी मंदिरों में हलवा,खिचड़ी पूड़ी के साथ कई प्रकार के मिठाई और फल आदि का प्रसाद वितरण तो किया गया वही नगर के तिरंगा चौक पोस्ट आफिस के सामने भी प्रसाद वितरण किया गया,आज पूजा नगर महावीर के भक्तिमय गीतों और जयकारों से गूंजता रहा ।

कांग्रेस जो कहती है वो करती है : ताम्रध्वज साहू

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द लोकसभा क्षेत्र के बसना सरायपाली अंचल के गांवों में कांग्रेस प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू के द्वारा लगातार जन संपर्क किया जा रहा है।जन संपर्क, नुक्कड़ सभा के माध्यम से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के द्वारा जारी न्याय की गारंटी को बताया जा रहा है। ताम्रध्वज साहू ने तोरेसिंहा में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है। चुनाव का समय आया है तो नया नया शिगूफा छोड़ रहे हैं। झूठ बोलने का भाजपा हमेशा करते आई है। पिछले समय सरकार आते ही सभी के खाते में पन्द्रह पन्द्रह लाख रुपये देने का वादा किये थे क्या हुआ। किसी एक के खाते में आया क्या - ? इनके फितरत में है झूठ बोलना। कांग्रेस जो कहती है उसे करती है। हमने किसानों का कर्ज सरकार बनते ही माफकिया। हमारे नेता राहुल गांधी का संदेश है कि महिलाओं को प्रति वर्ष एक लाख रुपये

देंगे। शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार देंगे। किसानों का कर्ज माफ करेंगे। न्याय की गारंटी देने का वादा है उसे हमारी सरकार बनते ही पूरा करेंगे। महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनायेंगे। हमारी सरकार बनते ही अग्निवीर योजना बंद कर युवाओं को नौकरी देंगे और रिटायरमेंट के बाद पेंशन भी देंगे। भाजपा ने अग्निवीर योजना में चार साल की नौकरी दे रही है।ये योजना नौजवान साथियों के साथ अन्याय है।चार साल के बाद पेंशन न देकर नौजवानों को टेंशन देने का कार्य भाजपा कर रही है। इसे आप लोगों को समझना होगा।देश को बचाना है, लोकतंत्र को बचाना है तो आप सभी से अनुरोध है कि एक नंबर के पंजा छाप में बटन दबायें कांग्रेस की सरकार बनायें। सरायपाली विधायक श्रीमती चातुरी नंद ने उपस्थित सभी माताओं बहनों, युवा साथियों से अपील किया है कि भाजपा सरकार को बदलना होगा तभी हमारे संविधान और लोकतंत्र की रक्षा होगी। बाबा साहेब अंबेडकर ने संविधान का निर्माण किया है जिसमें सभी को समानता का अधिकार है। इसे बचाना होगा।आप सभी का एक एक वोट ही निर्णायक होगा। जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस नेत्री तीरिथ बाई मानिकपुरी, मंदाकिनी साहू के अलावा कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता भारी संख्या में साथ चल रहे हैं।

रायगढ़ लोकसभा के सामान्य प्रेक्षक डॉ. अंशज सिंह ने की स्ट्रांग रूम और मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। रायगढ़ लोकसभा के सामान्य प्रेक्षक आईएएस डॉ. अंशज सिंह सारंगढ़ के दौरे पर रहे। प्रेक्षक श्री सिंह ने टिमरलगा के स्थैतिक निगरानी दल (एसएसटी) का निरीक्षण किया। इसके साथ ही टिमरलगा, गुड़ेली, बंजारी और सुवाताल मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सामान्य प्रेक्षक श्री सिंह ने मतदान केन्द्र के बीएलओ को प्रश्न किए कि गांव में कितना बूथ है। मतदाता पर्ची बांटे हो या नही। गांव में कितने वोटर हैं। नये वोटर कितने जुड़े हैं। शादी या अन्य किसी कारण से शिफ्ट होने वाले कितने वोटर हैं। मतदान केन्द्र में पेयजल, शौचालय, रैम्प आदि की सुविधा है या नहीं। मतदान केन्द्र आकर वोट देने के लिए कितने दिव्यांग ने सहमति पत्र दिया है। सेक्टर आफिसर ने कितने बार मतदान केन्द्र का निरीक्षण किया है और क्या-क्या बिन्दु पर चर्चा, समाधान हुआ है। पिछले चुनाव में कितने मतदाताओं ने वोट दिए हैं। अब के लोकसभा में कितने वोट की संभावना है। गांव में शांति है या नहीं। इन सभी प्रश्नों के जवाब सभी बीएलओ ने अपने स्तर पर जवाब दिए। प्रेक्षक डॉ. अंशज सिंह ने कृषि उपज मंडी परिसर स्थित स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने स्ट्रांग रूम के आगंतुक सह कार्यवाही विवरण रजिस्टर का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रश्न किया कि कितने बार राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने स्ट्रांग रूम का अवलोकन किया है। इसी प्रकार भंडार कक्ष में मतदान दल के तैयार किए जा रहे बैग के सामग्रियों का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान श्री सिंह ने पर्यवेक्षक श्री हरिकिशन डनसेना से पूछे कि पिछले विधानसभा में दल कितना समय लौट के आए, कितना समय तक सामग्री जमा किए, जमा होने में विलंब का कारण क्या था। इन सभी के जवाब में श्री डनसेना ने बताया कि लगभग रात 10 बजे तक मतदान दल की वापसी हो गई थी। मतदान दल से सभी प्रकार के फार्म और चेकलिस्ट आदि को पूरा करने के कारण सुबह 4 बजे तक सभी सामग्रियों की प्राप्ति की गई। सारंगढ़ दौरे में सहायक रिटर्निंग अधिकारी वासु जैन, खनिज अधिकारी एच.डी. भारद्वाज, पुलिस अधिकारी आदि उपस्थित थे।

थाना बिलाईगढ पुलिस द्वारा दुष्कर्म के आरोपी को किया गया गिरफ्तार

आरोपी को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

बिलाईगढ (समय दर्शन)। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर जिले में महिला एवं बच्चों के विरुद्ध घटित अपराधों में तत्परतापूर्वक आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए गए है इसी क्रम में थाना प्रभारी उप. निरी.शिव कुमार धारी के नेतृत्व में थाना बिलाईगढ़ पुलिस टीम द्वारा, दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया गया । प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 22. अप्रैल को प्रार्थी, ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 6 अप्रैल को प्रार्थी कि नाबालिक लडकी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाकर शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक सम्बंध बनाकर दुष्कर्म करने, लिखित आवेदन पेश करने पर आरोपी के विरुद्ध पर अपराध धारा 363 366, 376 (2) भादवि 04,06 पक्सो एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया विवेचना पतासाजी दौरान पता चला कि आरोपी भागने वाला है जिसे बिलाईगढ़ पुलिस द्वारा तत्परता पूर्वक आरोपी को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर *आरोपी आर्यन कुर्रे पिता जीवन लाल कुर्रे उम्र 19 वर्ष साकिन लुकापारा थाना बिलाईगढ़ जिला सारंगढ़* को ज्यूडिशियल रिमांड में भेजा गया संपूर्ण विवेचना कार्यवाही में उप. निरी.शिव कुमार धारी, विमला मनहर भवर लाल काटले निशांत दुबे आर प्रत्येंन बर्मन का विशेष योगदान रहा।

गरियाबंद के जनपद कार्यालय से बस स्टैंड तक रैली निकालकर लोगों को किया गया जागरूक

गरियाबंद (समय दर्शन)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अन्तर्गत 26 अप्रैल को जिले में मतदान होगा।लोगो में मतदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने एवं मतदान के प्रतिशत में वृद्धि किये जाने के लिए कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रीता यादव के मार्गदर्शन में जिले में विभिन्न मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज नगर पालिका परिषद गरियाबंद में मतदाता जागरूकता के तहत मतदाता रैली कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ रीता यादव ने लोगों को मतदाता संकल्प भी दिलाया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत आम नागरिकों,स्व सहायता समूह की महिलाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अधिकारी कर्मचारियों द्वारा जनपद पंचायत कार्यालय से बस स्टैंड होते हुए सब्जी मार्केट, मस्जिद चौक से वापस तिरंगा चौक होकर बस स्टैंड तक मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर के दुकानों में जाकर लोगों को मतदाता संकल्प हैंड बैंड पहनाकर 26 अप्रैल को अवश्य मतदान करने की अपील की गई। साथ ही अपने आस पड़ोस के मतदाताओं को भी मतदान दिवस में अपने मतदान केंद्र जाकर मताधिकार का उपयोग करने की अपील की गई। मतदाता जागरूकता अंतर्गत स्व सहायता समूह की महिलाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं नगर वासियों द्वारा अपने हाथों में लोकतन्त्र का सबसे बड़ा पर्व है, मतदान करना हम सबका फर्ज है आपका वोट आपकी ताकत,दोनो बने देश की ताकत सारा काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो स्लोगन के द्वारा रैली निकाला गया।

अपने धर्म रक्षा के प्रति सच्चा सेवक बने - गजेंद्र यादव

हनुमान जयंती पर विधायक गजेंद्र ने शहरवासियों को दी शुभकामनायें

दुर्ग (समय दर्शन)। हनुमान जयंती शहरवासियों ने पूरे उत्साह से मनाया। इस दौरान शहर के लोग हनुमान जी की भक्ति में लीन रहा हनुमान जयंती के अवसर पर शहर के मंदिरो में आयोजित हवन पूजन कार्यक्रमों में विधायक गजेंद्र यादव भी परिवार सहित शामिल हुए इस दौरान वे हनुमान जी को चोला चढ़ाकर महाआरती में शामिल हुए, उन्होंने हनुमान जयंती की शुभकामनायें देते हुए शहरवासियों के सुख समृद्धि की कामना की। शाम को हनुमान भक्तों द्वारा निकाली गई विशाल शोभायात्रा में भी विधायक गजेंद्र यादव शरीक हुए। जय श्री राम और हनुमान जी के जयकारे के साथ भक्ति गीतों पर झूमते युवाओ की टोली से शहर का माहौल सराबोर रहा। विधायक गजेंद्र यादव ने कहा की अब भारत के हिन्दू अपने धर्म को लेकर जाग गया है। हम अपने धर्म की रक्षा करें, धर्म हमारी रक्षा करेगा। उन्होंने सभी को हनुमान जी की तरह अपने धर्म की रक्षा के प्रति सच्चे सेवक बनने का आव्हान किये। विधायक गजेंद्र आज सुबह से ही शहर के मंदिरों में पहुँचे और मंदिर समितियों के साथ पूजा पाठ और भोग भंडारा में शामिल हुए। बोरसी, पंचमुखी हनुमान मंदिर, किल्ला मंदिर, सिकोला बस्ती, व्यामशाला, मोहलई, मालवीय नगर, आईएमए चौक पर आयोजक समिति द्वारा भगवा फेंटा से उनका सम्मान भी किया गया।

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 4

मामलेकी श्रेणी: राजस्व

संदर्भ- जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. - 00010 ननकट्टी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-RD202324430102000005

ईश्तहार

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00010 के अंतर्गत ग्राम ननकट्टी के वर्तमान भूमिस्वामी अशोक कुमार पिता/पति नारायण प्रसाद पता- कसारीडीह दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 988 (0.2900), 1410 (1.2600), 938 (0.6300), 844 (0.6000), 984 (0.7300) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता दिव्यांशु अग्रवाल पिता/पति- पिताश्री अंशुमन अग्रवाल पता- ननकट्टी, हिमांशु अग्रवाल पिता/पति- पिता श्री अंशुमन अग्रवाल पता-ननकट्टी नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती /खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 01/05/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 4 पर की जावेगी । उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं /अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/04/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

जिले में बुधवार 24 अप्रैल शाम 6 बजे से थम जाएगा चुनावी प्रचार - प्रसार का शोर

मतदान कार्य में बाधा डालने वालों पर होगी कार्यवाही

गरियाबंद (समय दर्शन)। लोकसभा निर्वाचन - 2024 के तहत जिले में 26 अप्रैल को मतदान होगा।निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार उम्मीदवारों के लिए सभा,रैली,जुलूस इत्यादि प्रचार-प्रसार की समय सीमा मतदान दिवस के 48 घंटे पूर्व तक की होती है,जो कि बुधवार शाम 6 बजे तक है।इसके उपरांत किसी प्रकार की चुनावी रैली, लाउडस्पीकर आदि वर्जित रहेंगे।चुनावी प्रचार-प्रसार का शोर थम जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक अग्रवाल ने बताया कि जिले के चिन्हांकित 9 मतदान केन्द्रों के क्षेत्र में चुनाव प्रचार बुधवार दोपहर 3:00 बजे तक एवं शेष 546 मतदान केन्द्रों में चुनाव प्रचार बुधवार शाम 6 बजे तक ही किया जा सकता है। मतदान दिवस पर एक प्रत्याशी को उनके आवेदन के आधार पर अधिकतम तीन वाहनों के प्रयोग की अनुमति होगी।जिसमें से एक स्वयं के लिए,एक एजेंट के लिए, एक कार्यकर्ता के लिए यह केवल मतदान दिवस पर अनुमति होगी।मतदाताओं के आने-जाने हेतु प्रलोभन पर प्रतिबंध होगा।मतदान केंद्र के 100 मीटर दायरे में राजनीतिक प्रचार वर्जित होगा।

मतदान केन्द्र के 100 मीटर की परिधि में प्रचार बैन - प्रचार संबंधी किसी भी प्रकार की पोस्टर, बैनर मतदान केंद्र के 100 मीटर परिधि में नहीं होगा।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आवश्यक सेवाओं जैसे हॉस्पिटल वाहन,एम्बुलेंस,दुग्ध वाहन,पानी टैंकर आवश्यक विद्युत सेवा,पुलिस वाहन एवं निर्वाचन कार्य में संलग्न मतदाताओं के सहयोग के लिए बीएलओ को मतदान केन्द्र के बाहर तैनात किया जाएगा।

मतदान कार्य में बाधा डालने वाले पर होगी कार्यवाही - कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक कुमार अग्रवाल ने बताया कि कोई भी व्यक्ति जो मतदान के दौरान पीठासीन अधिकारी के वैध निर्देशों का पालन करने में विफल रहता है या दुर्व्यवहार करता है उसे किसी भी पुलिस अधिकारी या पीठासीन अधिकारी द्वारा अधिकृत अन्य व्यक्तियों द्वारा उसके आदेश पर मतदान केंद्र से हटाया जा सकता है।

मतदान केन्द्र में मोबाईल फोन,सैल्युलर फोन और किसी भी तरह की इलेक्ट्रानिक डिवाइस ले जाना प्रतिबंधित-मतदान केन्द्र में मोबाईल फोन,सैल्युलर फोन और किसी भी तरह की इलेक्ट्रानिक डिवाइस ले जाना प्रतिबंधित रहेगा।मतदान केन्द्र या उसके 100 मीटर के भीतर ऐसे टोपी,शॉल,बैज,प्रतीक आदि की अनुमति नहीं होगी,जिस पर राजनीतिक दल,उम्मीदवारों या राजनीतिक नेताओं के नाम और उनके नारे,प्रतीक या उनका सचित्र प्रतिनिधित्व हो,जो किसी चुनाव लड़ने के लिए प्रचार के लिए हो सकते है, उन्हे अनुमति नहीं दी जाएगी।

मतदान दिवस के 48 घंटे के भीतर प्रचार-प्रसार संबंधी किसी भी प्रकार प्रदर्शन सिनेमा,टेलीविजन आदि के माध्यम से नहीं होगा-कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अग्रवाल ने बताया कि मतदान दिवस के 48 घंटे के भीतर किसी भी प्रकार का सभा जुलुस निर्वाचन संबंधी प्रचार-प्रसार के लिए वाहन की उपयोग की अनुमति नहीं होगी।बल्क एसएमएस,वाईस कॉल जातिगत,धार्मिक,मस्जिद,मंदिर,गुरूद्धारा,चर्च एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर अंतिम 48 घंटों में अपील राजनीतिक दल अथवा प्रत्याशी द्वारा प्रचार-प्रसार नहीं किया जाएगा। मतदान समाप्ति के लिए निर्धारित समय समाप्त होने वाली 48 घंटे की अवधि के दौरान उम्मीदवार सिनेमेटोग्राफ टेलीविजन या अन्य समान उपकरण के माध्यम से किसी भी निर्वाचन से संबंधी सामग्री को जनता के सामने प्रदर्शित नहीं करेंगे। किसी भी जनमत सर्वेक्षण या एक्जिट पोल के परिणाम को किसी भी समय प्रिंट,इलेक्ट्रानिक सहित अन्य मीडिया द्वारा किसी भी तरीके से प्रकाशित,प्रचारित या प्रसारित करने पर 24 अप्रैल 2024 के शाम 6 बजे से प्रतिबंधित होगा। प्रिंट मीडिया पर राजनैतिक विज्ञापन या प्रचार समाग्री का अंतिम 48 घंटे के पूर्व प्रकाशन का प्रमाणन आवश्यक होगा।

मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व वाहनों पर या किसी भी अन्य तरीके से लाउड स्पीकरों का प्रयोग करने की अनुमति नहीं-किसी भी मतदान क्षेत्र में मतदान समाप्ति के लिए निर्धारित समय के साथ समाप्त होने वाली 48 घंटों की अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की वाहनों पर या किसी भी अन्य तरीके से लगे लाउड स्पीकरों का प्रयोग करने की अनुमति नहीं होगी।मतदान बंद होने से 48 घंटे पहले चुनाव वाले निर्वाचन क्षेत्र में राजनैतिक पदाधिकारियों के उस क्षेत्र का मतदाता नहीं हैं,के रहने पर प्रतिबंध होगा।सभी दलों और उम्मीदवारों को मतदान समाप्ति के लिए निर्धारित समय के समाप्त होने वाले 48 घंटे के अवधि के दौरान सार्वजनिक सभा एवं जुलूस का आयोजन नहीं किया जाएगा।

संक्षिप्त-खबर

चुनाव को मद्देनजर रखते हुए बसना नगर में प्रतिदिन पुलिस बल का फ्लैग मार्च

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा मुख्यालय मे पुलिस बल द्वारा शांतिप्रिय मतदान हेतु प्रतिदिन नगर के विभिन्न मुहल्ले व मुख्य मार्गों मे फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा शांतिप्रिय माहौल में चुनाव कराने के लिए महासमुंद जिले में बसना थाना की पुलिस ने तैयारी तेज कर दी है। चुनाव को मद्देनजर रखते हुए बसना नगर में थाना पुलिस बल, असम बटालियन के अर्ध सैनिक बलों के साथ फ्लैग मार्च एसडीओपी अभिषेक केसरी व थाना प्रभारी शशांक पौराणिक के नेतृत्व में नगर भ्रमण कर स्थानीय थाना में मार्च समाप्त किया जा रहा है। बसना थाना प्रभारी ने बताया कि, लोगों से लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष तरीके से शांति प्रिय माहौल मे मतदान करने की अपील की जा रही है।

शारीरिक-मानसिक स्वस्थता और मजबूत आत्मबल के लिए योग जरूरी-कलेक्टर

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के आदेश अनुसार ग्रीष्म ऋतु की छुट्टियों में बच्चों एवं आम जनता को योग प्रभारी द्वारा राजेंद्र पार्क में योगा सिखाया जा रहा है जिसमें बढ़-चढ़कर बच्चे,बुजुर्ग व युवा सहित लोग योगा सीखने आ रहे हैं। सुबह प्रतिदिन 5.30 से 7.30 वजे तक योग क्रिया नि:शुल्क सिखाई और बताई जा रही है। जिला योग प्रभारी ने शहर वासियों से अपील की है कि अपने बच्चों को ग्रीष्म ऋतु मे योगा सीखने हेतु भेजें क्योंकि योगा से मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की बीमारी ठीक होती है और शरीर निरोग रहता है शरीर के निरोग रहने से मन भी निरोग रहता है इसलिए योगा बहुत जरूरी है और सभी लोगों को योगा करना चाहिए। आज आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने राजेन्द्र पार्क पहुँचकर योग किया साथ ही शहर की सफाई व अन्य व्यवस्था देखी। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मौजूद अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पार्क के अंदर और भी बेहतर व्यवस्था बनाये रखने की बात कही इस अवसर पर सहायक अभियंता व भवन अधिकारी गिरीश दीवान,स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,उद्यान प्रभारी अनिल सिंह मौजूद रहें।योगा शिविर के अवसर पर आयुक्त ने शारीरिक-मानसिक स्वस्थता और मजबूत आत्मबल के लिए योग को जरूरी बताया है।जिसमें प्रशिक्षक और योगाचार्य ने योग के महत्व व लाभ के बारे में जानकारी दी। निशुल्क राजेन्द्र पार्क में विभिन्न मुद्राओं में योगासन कराये गये।

हनुमान जन्मोत्सव कीर्तन देवलभाठा में सम्मिलित हुए- प्रखर

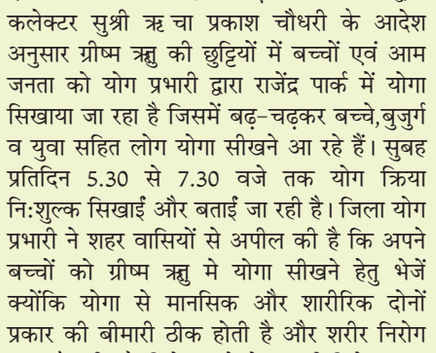

सरायपाली (समय दर्शन)। हनुमान जयंती के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर अखंड पाठ कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है इसी कड़ी में ग्राम देवलभाठा में भी अष्टप्रहरी कीर्तन का आयोजन ग्राम वासीओ द्वारा किया गया जिसमे संगम सेवा समिति के संस्थापक प्रखर अग्रवाल सम्मिलित हुए एवं भगवान के दर्शन कर शुभ आशीष प्राप्त किए,हनुमान जयंती के अवसर पर आमंत्रण के लिए श्री अग्रवाल ने ग्राम वासीयो को धन्यवाद ज्ञापित किया,प्रखर ने गाँव के युवाओ को संगम सेवा समिति के उद्देश्यों की जानकारी दी एवम् समिति से जुड़ने के लिए आग्रह किया,साथ ही सभी युवा नये मतदाताओं को अवश्य ही मतदान करने के लिए प्रेरित किए,एवं सभी से अनुरोध किए की आगामी निर्वाचन तिथि को सभी को मतदान एक उत्सव की भाती समझ कर सम्मिलित होना है एवं ग्राम के युवाओ को उनके मताधिकार के महत्व को समझाए कार्यक्रम में समिति के सदस्य तुषार सेन(अधिवक्ता),अंकुर यदु(टीचर),आशीष सेन(सांसद प्रतिनिधि),आयुष साहू (संवाददाता) उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन मे बतौर अतिथि विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल हुए शामिल

बसना(समय दर्शन)। सोमवार को बसना में आयोजित भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में बतौर अतिथि विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल शामिल हुए। सर्वप्रथम मां भारती, श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं दीनदयाल उपाध्याय की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सभा को सम्बोधित करते हुए विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा प्रत्याशी श्रीमती रुपकुमारी चौधरी को प्रचंड मतों से जीत दिलाने के लिए कमल फूल छाप पर मतदान करने की अपील करते मोदी सरकार के सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को बताये और कहा कि आज देश के युवा साथी, मातृशक्ति सहित सभी देशवासी नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए संकल्पित है। भाजपा एक परिवार की तरह है जिसमें सदस्यों को एक समान सम्मान प्राप्त होता है,हर एक सदस्य भाजपा परिवार का प्रमुख सदस्य होता है,सम्मेलन में शामिल सभी लोगों ने एक स्वर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अबकी बार 400 पार को पूरा करने के साथ छत्तीसगढ़ के सभी 11 सीटों पर कमल खिलाकर नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर विधानसभा प्रभारी अमरजीत सिंह छाबड़ा, विधानसभा संयोजक डॉ.एनके अग्रवाल,सांसद प्रतिनिधि सतपाल सिंह छाबड़ा, जिला उपाध्यक्षगण रमेश अग्रवाल, जितेन्द्र त्रिपाठी, नगर पंचायत अध्यक्ष गजेन्द्र साहू,मण्डल अध्यक्षगण अनिल अग्रवाल, माधव साव, हरप्रसाद पटेल, कृष्ण कुमार साहू,नरेश सिंघल, विधायक प्रतिनिधि अभिमन्यु जायसवाल, विधायक कार्यालय प्रभारी प्रकाश सिन्हा, जिला महामंत्री संजय कुमार नंदी, किशोर कुमार आर्य, राजेन्द्र प्रजापति, रमेश अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य वृन्दावती पाण्डे, महिला मण्डल अध्यक्षगण बिंदू नाग, बसंती प्रधान, मण्डल मंत्री गायत्री डड़सेना, भानुमती पटेल, सीताराम सिन्हा, सानमोती चौहान, पद्मिनी चौधरी, मालावती पटेल, हरीता पटेल, पुष्पा साव, मीरा साव, विमला बेहरा, गजेन्द्र सिंह ठाकुर, रणजीत साहू, संतोष मांझी, मथामणी बढ़ाई,विकास वाधवा, निर्मलदास, कामेश बंजारा, आकाश सिन्हा, मोहित पटेल, नवीन साव,शिशुपाल प्रधान,सहित बड़ी संख्या में भाजपा महिला व पुरुष पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बसना के सेंट स्टीफन मॉडल स्कूल जगदीशपुर मे विज्ञान व आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। बसना के सेंट माडल स्कूल मे विज्ञान एवं आर्ट एण्ड क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन सम्पन्न हुआ । इस प्रदर्शनी में स्कूल के सभी कक्षाओं के बच्चों ने अपने स्वयं के प्रतिभा साधन के अनुरूप मॉडलों का प्रदर्शन किया। जिसमें प्रमुख रूप से सांईस, आर्टस, आर्ट एंड क्राफ्ट सोशल साइंस, जनरल नालेज मेथ्स ग्रुप के साथ लिट्रेचर ग्रुप ने आकर्षक माडल का प्रदर्शन किया। वही बच्चों ने अपने बनाए मॉडलों के बारे में विस्तार से वर्णन कर पालक, दर्शक एवं स्कूल प्रबंधन को बताया।

इस प्रदर्शनी की खास बात यह है कि, सभी धर्मग्रंथो की पुस्तकों एवं भारत के संविधान के आकर्षक साजसज्जा भी बहुत ही सराहनीय रहा। प्रदर्शनी में विज्ञान विषय पर सभी मॉडल ,एक्टिव ट्रैकिंग मॉडल थे ,जो बच्चों के मेहनत,लगन, तर्क ,ज्ञान,कार्य शैली,धार्मिक ज्ञान, सहभागिता दिखाई दी। प्रर्दशिनी माडल में प्रमुख रूप से अपसा बढ़ाई की एक्टिव वालकेनों, सगुप्ता नंद की सोलर सिस्टम, विधी कौशिक की जनरेट इलेक्ट्रीक सिस्टम, श्री श्रीवास्तव का एसिड रेन, अरहम खान का वाटर प्युरिफायर, ईशा गुप्ता की द्रष्टि भ्राती आर्ट, निमिशा अग्रवाल की ब्लड प्युरिफायर, अभेदय भोई का चंद्रयान के अलावा अन्य बच्चों के माडल भी उच्च कोटि के एवं आकर्षक थे। स्कूल प्रबंधक समिति एवं पालकों ने सभी बच्चों को उनके मॉडलो के लिए बधाई शुभकामनाएँ एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। उक्त कार्यक्रम में कोलकाता दमदम से आये प्रबंधक समिति के सदस्य विश्वरूप मंडल ने इस अवसर पर आई एस सी कक्षा 11 वीं की सभी शाखाएं, साइंस, आर्ट्स, कामर्स, की कक्षायें खोलने की घोषणाएं की । इससे क्षेत्र के बच्चों को आने वाले समय में लाभ मिलेगा। इस अवसर पर प्रबंधन समिति के सदस्य विश्वरूप मंडल, संस्था प्रमुख विजय दास, प्रमुख अतिथि तुषार कांती नायक, पास्टर बेंजामिन नंद, शिक्षक, शिक्षिकायें, पालक एवं बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

भाजपाई निर्वाचन को दूषित करने आमदा है - कांग्रेस

- गृह मंत्री के संज्ञान में आने के बाद भी कार्यवाही ना होना दुर्भाग्यजनक - गिरीश देवांगन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। लोकसभा प्रत्याशी भूपेश बघेल जी पर व्यक्तिगत आरोप लगा कर भाजपा अपनी कुत्सित मानसिकता से लगातार आचार संहिता का उल्लंघन कर रही है भूपेश बघेल के निर्वाचन अभिकर्ता गिरीश देवांगन ने भाजपा द्वारा सोशल मीडिया में अनर्गल पोस्ट डालकर वर्गों के बीच शत्रुता पैदा करने कवर्धा की घटना को लेकर शिकायत की है क्योंकि। वहां भाजपाईयों पर धार्मिक उन्माद के मामले दर्ज हुए अब वहां कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल जी पर व्यक्तिगत अभद्र टिप्पणी के साथ उनके फेटो युक्त पोस्ट चस्पा कर निर्वाचन को दूषित करने का काम भाजपाईयों के संरक्षण में हो रहे हैं जिस पर जिला निर्वाचन अधिकारी की मौन सहमति भी दर्शित हो रहा हैं । क्योंकि निर्वाचन शाखा का यह प्रथम दायित्व होता है कि निर्वाचन से संबंधित कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट किसी चौक चौराहे पर ना लगे यदि लगे हो तो तत्काल हटाएं लेकिन लगने के बाद भी उन पर निर्वाचन आयोग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किया जाना भाजपा और विघ्न संतोषियों को प्रश्रय देने के समान है सबसे दुर्भाग्य जनक बात यह है की कवर्धा के चौक चौराहा में लगातार पोस्टर लगाने का कार्य चलता रहा और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री गृह मंत्री विजय शर्मा जी के संज्ञान में आने के बाद भी वे स्थल पर रुके लेकिन जिनके द्वारा यह कृत्य किया जा रहा था उन पर किसी प्रकार का कोई कार्यवाही न होना अपने आप में निर्वाचन की निष्पक्षता को पूरी तरह से दूषित करती है और ऐसी स्थिति में कभी भी अप्रिय घटना से इनकार नहीं कर सकता कवर्धा में जिस प्रकार से अभद्र पोस्टर लगाए गए उसके बाद उनके हौसले इतने बुलंद हो गए कि राजनांदगांव शहर के स्टेशन परत और गौरी नगर क्षेत्र में भी लगाना प्रारंभ हो गया लेकिन वार्ड वासियों के विरोध के बाद लड़के वहां से फरार हो गए लेकिन पोस्टर लगाने वालों की फोटो वार्ड वासियों ने मोबाइल से खींच लिया और कवर्धा की घटना का भी वीडियो और पोस्टर लगाने वालो के फ़ेटो सहित पेन ड्राइव में शिकायत कर तत्काल पोस्टर निकलवाने एवं पुलिस गस्त बढ़ाने के साथ साथ संलिप्तो पर अपराध दर्ज की कार्यवाही करने की मांग की गई है।

डबल परेशानी है डबल इंजिन की सरकार : भूपेश बघेल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। राजनांदगांव लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल ने कहा है कि भाजपा के नेता डबल इंजिन की सरकार की बातें करते हैं लेकिन सच यह है कि एक ओर एक इंजिन लगातार महंगाई बढ़ा रहा है और दूसरा इंजिन कांग्रेस सरकार की ओर से महंगाई से राहत दिलाने के लिए जो सुविधाएं मिली थीं, उसमें कटौती कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये डबल इंजिन की डबल ट्रबल इंजिन सरकार है यानी दोहरी परेशानी देने वाली सरकार।

अपने जनसम्पर्क के दौरान भूपेश बघेल भाजपा सरकार की नीतियों और वादाखिलाफ़ियों के खिलाफ जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार गरीब, आदिवासी और महिला विरोधी है, एक ओर कांग्रेस जहां गरीबों, आदिवासियों, महिलाओं और मजदूरों की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखती है तो वहीं भाजपा गरीब को और गरीब बना रही है। उनसे सुविधाएं छीन रही है।

भूपेश बघेल ने कहा कि 2014 में भाजपा ने नारा दिया था, फबहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकारफ लेकिन आज 10 सालों बाद महंगाई दोगुनी से भी अधिक हो गई है, बढ़ी हुई महंगाई की सबसे अधिक मार घर में सबके भोजन का प्रबंध करने वाली माताओं-बहनों पर पड़ी है और अब तो भाजपा सरकार ने राशनकार्ड के चावल में भी कटौती कर दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में मजदूरों को मिलने वाले सालाना ?7000 का भी कोई अता-पता नहीं, महुआ की भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी अब बंद हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि जब यहां छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी तब हमने गरीब से गरीब परिवार को भी राहत पहुंचाने का काम किया, बिजली बिल हाफ योजना, शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, हाट-बाजार क्लिनिक, दाई-दीदी क्लिनिक, धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स से हमने जनता के पैसे बचाए, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों ने गरीब बच्चों के अंग्रेजी मीडियम में पढ़ने का सपना पूरा किया, एक ओर जहां हम मजदूरों को सालाना ?7000 देकर हम उन्हें आर्थिक संबल प्रदान करते थे तो वहीं दूसरी ओर बेरोजगार युवाओं को प्रति माह ?2500 का भत्ता दे कर युवाओं को छोटे-मोटे खर्चों की चिंता से दूर किया।

बटन दबाने का प्रतीक के रुप में ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कांग्रेस सरकार में हम रिमोट की बटन दबाते थे और हमारे बटन दबाने से सीधे जनता के खातों में पैसे पहुँचते थे, उसी प्रकार अब भाजपा का कुशासन उखाड़ फेंकने के लिए जनता को बटन दबाना होगा, आप जितना ज्यादा कांग्रेस का पंजा छाप बटन दबाएंगे, उतना ही अपने भविष्य का हाथ मजबूत करते जाएंगे। इसीलिए हमने इस बार नारा भी दिया है, हाथ बदलेगा हालात।

आज जनसंपर्क में भूपेश बघेल ने राजनांदगांव विधानसभा के ककरेल, भेड़ीकला, बोरी, डिलापहरी, इंदामारा, उसरीबोड, मुड़पार, सुरगी, बुचीभर्दा, मोखला, जंगलेसर, दैहान एवं अंबागढ़-चौकी के आमाटोला, रेंगाकठेरा, कान्हे, पटेल पारा चौकी, सांगली, बांधाबाजार, बादराटोला में जनता से मुलाकात की।

हनुमान जयंती पर मानव मंदिर चौक पहुंचे भूपेश- अपने जनसम्पर्क कार्यक्रम को बीच में ही स्थगित कर शहर के मानव मंदिर चौक पर भूपेश बघेल पहुंचे। जहां स्थानीय नेताओं और जनता के साथ वहां खड़े होकर हनुमान जयंती शोभा यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने हनुमान जी का गदा लहराते हुए बजरंग बली की जयकार का नारा लगाया। शहर में कार्यक्रम के दौरान मुख्यरूप से शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा, महापौर हेमा देशमुख, श्रीकिशन खंडेलवाल, जितेंद्र मुदलियार, निखिल द्विवेदी, सुदेश देशमुख, रमेश डाकलिया, अमित खंडेलवाल, मानव देशमुख, अमर झा, शुभम शुक्ला सहित भक्तजन उपस्थित थे।

ग्रामीण इलाकों में मुख्यरूप से राजनांदगांव ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू, भोलाराम साहू, मोतीलाल साहू, गोवर्धन देशमुख, अंगेश्वर देशमुख, घनश्याम देवांगन, नरेश शुक्ला ,नवीन जैन, टिंकु साहू, रोहित चंद्राकर, किरण साहू, रामेश्वर साहू उपस्थित रहे।

''ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, जांजगीर में हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया''

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में प्रति वर्ष की भांति हनुमान जन्मोत्सव का पर्व बुधवार 23 अप्रैल 2024 को विद्यालय के डायरेक्टर श्री आलोक अग्रवाल व प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह के सानिध्य में स्कूल के प्रार्थना सभा में श्री हनुमान जी की तैल्य चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना व पुष्प अर्पण किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय के समस्त स्टाफके द्वारा स्कूल प्राँगण में स्थित श्री हनुमान मंदिर में आचार्य श्री राकेश तिवारी के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्री हनुमान जी का अभिषेक व श्री हनुमान चालीसा पाठ व श्रीराम स्तुति का वंदन किया गया, साथ ही श्री हनुमान जी के आरती पश्चात स्कूल के समस्त स्टाफके द्वारा आचार्य श्री राकेश तिवारी जी के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सामूहिक सुंदर कान्ड का पाठ किया गया.। विधिवत पूजन कार्यक्रम समस्त शिक्षकों एवं स्टाफद्वारा किया गया। पूजा के उपरांत कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं विद्यालय परिवार की उपस्थिती रही।

बसना में हनुमान जन्मोत्सव में शामिल हुए विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल

- बसना नगर व क्षेत्र में हनुमान जन्मोत्सव पर जगह जगह भण्डारा

बसना(समय दर्शन)। बसना नगर स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर के साथ ही नगर मे अनेक जगह हनुमान मंदिरों में बड़े धूमधाम से हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। कन्या शाला परिसर संकट मोचन हनुमान मंदिर के अलावा, बंसूला आई टी आई के पीछे, बसनाआदर्शनगर, बसना बस स्टैंड, बंसूला डीपा आदि अनेक स्थानों में श्री संकट मोचन हनुमान जी की जन्मोत्सव कार्यक्रम को बडी धूमधाम से मनाते हुए भोग भण्डारा का आयोजन रखा गया । जिसमे कन्या शाला परिसर संकट मोचन हनुमान मंदिर में हजारों श्रद्धालु भक्त गण हनुमान जी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया एवं भोग भण्डारा ग्रहण किया ।इस दौरान क्षेत्रीय विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल महाआरती में शामिल होकर हनुमान जी की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली और समृद्धि की कामना करते हुए क्षेत्रवासियों को हनुमान जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं दिए तथा मिष्ठान व लड्डू वितरण किए। विधायक ने कहा कि, आज भगवान श्रीरामचंद्र जी के परम भक्त हनुमानजी का जन्मोत्सव है। हनुमान जी भक्तों के संकटमोचन हैं। वे सभी को दुख तकलीफों से दूर रखते हैं। हनुमान जी बल और बुद्धि देने वाले माने जाते हैं। उनको सच्चे हृदय से याद करने मात्र से ही सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। जीवन से भय चला जाता है,क्योंकि इनकी स्तुति से मनोबल बढ़ जाता है। आप सभी पर उनकी कृपा बनी रहे। इस दौरान उन्होंने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं से काफी समय तक मुलाकात की। इस अवसर पर पुजारी महाराज झा ,मण्डल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, वि प्र अभिमन्यु जायसवाल, विधायक कार्यालय प्रभारी प्रकाश सिन्हा,आनंद अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, सोनू श्रीवास्तव, गजेन्द साहू,अशोक जोशी,अभय धृतलहरे, अजय अग्रवाल,विष्णु अग्रवाल, जतन्ती अग्रवाल, सुरेश सोनी, चतुर्भुज अग्रवाल, अनिल साव,सुंदर प्रधान, शीत गुप्ता, महेन्द्र साव, मोहन सोनवानी सन्तराम भारद्वाज, मोती दास,राधे साहू,एल्डरमैन रमेश सूर्या, महेंद्र सिंह अरोरा, डेनियल पीटर, सोनू सोनवानी, मुकेश जोशी,विकास वाधवा, निर्मलदास,गौतम धृतलहरे, राकेश गुप्ता, योगेश ठक्कर, रमेश अग्रवाल,कामेश बंजारा, आकाश सिन्हा, राधेश्याम नायक, रणवीर छाबड़ा,गुरदीप होरा,सोनू तुलजा,संदीप अग्रवाल, अमित अग्रवाल, गुनप्रसाद धृतलहरें, पवन अग्रवाल सहित हजारों श्रद्धालु भक्त जन व नगरवासी उपस्थित रहें।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26